TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | जनसेवा के संकल्प का एक महीना.. (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | मंगलवार | दिनांक- 08.09.2026

वडोदरा में पीएम मोदी का Gen-Z

रजिस्ट्रेशन खुलने के 1 घंटे में ही फुल हो गईं सीटें, आज गुजरात आएंगे मोदी

एजेंसी, वडोदरा।

गुजरात के वडोदरा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में विशेष कार्यक्रम होने जा रहा है। पीएम का यह कार्यक्रम कई प्रोजेक्ट्स के शिलान्यास और लोकार्पण का है, लेकिन इसमें जेन-जी का पीएम से सीधा संवाद भी होगा। इसीलिए इस बार पीएम का स्टेज भी न्यू थीम पर डिजाइन किया गया है। पीएम के मंच के साथ एक विशेष 'वाय' शैप में रैंप बनाया गया है, जिसके चारों ओर युवा बैठेंगे। मोदी रैंप पर चलेंगे और जनरेशन-जेड के छात्रों और पेशेवरों से बातचीत करेंगे।

एक घंटे में फुल हो गईं सीटें: इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन रखा गया था। रजिस्ट्रेशन पोर्टल सुबह 10:30 बजे खोला गया और महज एक घंटे में ही सभी सीटें फुल हो गईं थीं।

सीट न पाने वालों से डिप्टी सीएम ने माफी मांगी: पीएम को सुनने और इस खास अवसर का हिस्सा बनने के लिए बड़ी संख्या में युवाओं ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया। जिन लोगों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। उन्हें कार्यक्रम में क्यूआर कोड से एंट्री मिलेगी।

रजिस्ट्रेशन फुल होने के चलते कई युवा कार्यक्रम में जगह नहीं बना पाए हैं। इसे लेकर गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनसे माफी मांगी है।

वायु सेना की बढ़ेगी ताकत: सुखोई में लगेगी रूस की सबसे ताकतवर मिसाइल

300 किमी दूर दुश्मन का शिकार होगा आसान

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत सुखोई एम 30 लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें रूस की लंबी दूरी की फश्श-इऊ एयर-टू-एयर मिसाइलों से लैस करने की तैयारी कर रहा है। ऊअउ की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

इसके साथ ही भारत अस्त्र मिसाइल के नए संस्करणों और फ्रांस की मीटियर मिसाइलों के जरिए अपनी हवाई मारक क्षमता मजबूत कर रहा है। करीब 300 किलोमीटर तक की मारक क्षमता वाली ये मिसाइलें बेहद तेज रफ्तार से हवा में मौजूद दुश्मन के अहम ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम बताई जाती हैं। Su-30 MKI के अपग्रेड, AL-31 इंजन के ओवरहॉल और HAL के संभावित ALH मार्क-3 ऑर्डर से भी भारतीय रक्षा क्षमता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पुतिन के भारत दौरे से पहले अहम रक्षा प्रस्ताव

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इफ्क्तर बैठक में शामिल होने के लिए भारत आने से कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। इस दौरान भारत और रूस के बीच कई महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों और सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

DAC की बैठक में मिल सकती है मंजूरी

रक्षा सूत्रों ने एएनआई को बताया कि आज होने वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में र४-30 टडक विमानों पर फश्श-इऊ मिसाइलों को एकीकृत करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इस कदम से भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी की एयर-टू-एयर मारक क्षमता को और मजबूती मिल सकती है।

6 मैक की रफ्तार से लक्ष्य भेदने की क्षमता

रूस के पास फश्श-इऊ मिसाइल के कई संस्करण हैं। बताया जाता है कि ये मिसाइलें करीब 6 मैक की हाइपरसोनिक रफ्तार से उड़ान भरते हुए एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल विमान, खुफिया निगरानी करने वाले विमानों और दूसरे महत्वपूर्ण हवाई लक्ष्यों को निशाना बना सकती हैं। ऐसे विमान किसी भी वायु अभियान में दुश्मन के लिए बेहद अहम संपत्ति माने जाते हैं।

स्वदेशी और विदेशी मिसाइलों पर बराबर जोर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय भारतीय वायु सेना के एयर-टू-एयर हथियारों को आधुनिक बनाने के लिए स्वदेशी और विदेशी, दोनों विकल्पों पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य वायु सेना को लंबी दूरी से हवाई लक्ष्यों को भेदने की बेहतर क्षमता उपलब्ध कराना है।

अस्त्र मिसाइल के नए संस्करण पर DRDO का फोकस

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल के मौजूदा और भविष्य के संस्करणों को विकसित करने पर तेजी से काम कर रहा है। इन नए संस्करणों में 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक के हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने की क्षमता विकसित करने की योजना है। इससे भारत की स्वदेशी एयर-टू-एयर मिसाइल क्षमता को बड़ी मजबूती मिलेगी।

फ्रांस से मीटियर मिसाइलों की भी बड़ी खरीद

भारत अपनी हवाई मारक क्षमता बढ़ाने के लिए फ्रांस से मीटियर एयर-टू-एयर मिसाइलों की खरीद के बड़े ऑर्डर भी देर चुका है। मीटियर को आधुनिक युद्ध में लंबी दूरी के हवाई लक्ष्यों के खिलाफ प्रभावी मिसाइलों में गिना जाता है।

वायु सेना की रीढ़ हैं 260 से ज्यादा Su-30 MKI

RVV-BD मिसाइलों से लैस करने के लिए अपग्रेड किए जा रहे र४-30 टडक भारतीय वायु सेना की प्रमुख लड़ाकू ताकत हैं। इस समय वायु सेना के बेड़े में इन विमानों की संख्या 260 से अधिक है। बड़ी संख्या में मौजूदगी और उनकी लंबी दूरी की मारक क्षमता के कारण Su-30 MKI को भारतीय वायु शक्ति का अहम हिस्सा माना जाता है।

दो बड़े प्रोजेक्ट से और आधुनिक होंगे विमान

भारत अपने Su-30 MKI बेड़े को आधुनिक बनाने के लिए दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहा है। इन अपग्रेड के बाद विमानों की निगरानी, लक्ष्य पहचानने और लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार होने की उम्मीद है। इससे मौजूदा विमानों को अत्याधुनिक क्षमताओं से लैस कर उनकी परिचालन उपयोगिता को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलेगी।

खाकी के पहरे से चकमा देकर 'रिफ्रैश' हो गया कैदी

गुजरात से ट्रेन की खिड़की बनी 'फ्रीडम गेट': पुलिसकर्मियों की आंख बचाकर चलती ट्रेन से कूद गया शातिर

अब खुद कटघरे में खड़े हैं खाकी वाले

टीएनएफ टुडे, आगरा।

गुजरात के सूरत से दबोचे गए एक शातिर मुल्जिम ने आगरा के पास ऐसा स्टंट दिखाया कि खाकी वर्दी के होश फाख्ता हो गए। पुलिस अभिरक्षा को अपनी पर्सनल जर्नी समझते हुए यह महाशय चलती ट्रेन से ऐसे छूमंतर हुए जैसे कोई टिकटॉकर हवा में गायब हो जाता है। अब हालत यह है कि जिस पुलिस टीम को उसे महफूज ठिकाने तक पहुंचाना था, वे खुद ही कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। जनाब के फरार होने के बाद अब जीआरपी थाने में उनकी खातिरदारी के लिए मुकदमे का जो नया तोहफा तैयार हुआ है, वह काबिल-ए-गौर है।

मधुबनी एक्सप्रेस बनी 'एस्केप रूट',

पुलिसवाले देखते रह गए सपना

पूरा मामला मिर्जापुर के थाना पड़री से जुड़ा है, जहां आरोपी सूरज कुमार पांडेय उर्फ हर्ष पांडेय किसी मामले में वांटेड था। पुलिस टीम ने बड़े तामझाम के साथ उसे गुजरात के सूरत से बरामद किया और पीड़िता के साथ मिर्जापुर की ट्रेन पकड़ ली। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों का दावा करने वाली इस टीम में उपनिरीक्षक विजय शंकर यादव, महिला हेड कांस्टेबल गीता देवी और कांस्टेबल नीरज कुमार शामिल थे। चार-पांच सितंबर की दरमियानी रात करीब साढ़े बारह बजे जब मधुबनी एक्सप्रेस आगरा के श्रृंगारपुर और किरावली के बीच सरपट दौड़ रही थी, तभी इस शातिर ने पुलिसवालों की नींद या गपशप का फायदा उठाया और चलती ट्रेन से छलांग लगा दी। अंधेरे का लाभ उठाकर वह ऐसा गायब हुआ कि आज तक उसका पता नहीं चला है।

अब खाकी खुद ढूंढ रही है अपने गुनाहों के जवाब

आरोपी के हवा होते ही पहरेदार पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए। ट्रेन में हाहाकार मच गया और आनन-फानन में उसकी तलाश शुरू हुई, लेकिन मुल्जिम तो हवा हो चुका था। अब सवाल यह उठता है कि क्या पुलिसकर्मी सफर के दौरान गहरी नींद में थे या किसी फिल्मी दृश्य की तरह आरोपी ने उन्हें चकमा देने का कोई नायाब तरीका ढूंढ लिया था। इस लाजवाब लापरवाही पर मुहर लगाते हुए अब जीआरपी आगरा फोर्ट ने उपनिरीक्षक विजय शंकर यादव, महिला हेड कांस्टेबल गीता देवी और कांस्टेबल नीरज कुमार के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। ट्रेन की खिड़की से फरार हुए इस आरोपी की तलाश तो जारी है ही, लेकिन साथ ही उन पुलिसवालों की किस्मत भी अब विभाग की टेढ़ी नजरों के बीच पटरी से उतर चुकी है।

अयोध्या: 15 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान करेंगे योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या में करीब 15 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान करेंगे। राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में होगा। अयोध्या मंडल की 12 से 15 हजार कार्यकर्ताएं इस कार्यक्रम में शामिल होंगी।

सीएम अयोध्या में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे दोपहर 2:50 बजे जीआईसी मैदान पहुंचेंगे, यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शाम 4:00 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर रहने के बाद वे हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। शाम करीब 5:00 बजे वे लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। शाम करीब पांच बजे हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के लिए है। इसमें विभागीय मंत्री और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। राशन वितरण का कार्य देख रही स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी भाग लेंगी।

हॉस्टल हादसे के लिए नगर निगम जिम्मेदार, सरकार भी जवाबदेही से नहीं बच सकती: दिल्ली हाईकोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी, दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, पुलिस ने हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तारी में ले लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था।

हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। रेस्क्यू ऑपरेश पूरा हो चुका है। हॉस्टल हादसा दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। हॉस्टल 5 मंजिला इमारत में था, जो करीब 40 साल पुरानी थी। दिल्ली नगर निगम के रिकॉर्ड में इस इमारत को खतरनाक घोषित नहीं किया गया था।

राहुल बोले- कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है

राहुल गांधी ने सोमवार को पर लिखा कि हर बार इखढ सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न - हादसों से पहले रोकथाम नहीं, उनके बाद बयानबाजी होती है, कुछ छोटे अफसरों पर जिम्मेदारी मढ़ दी जाती है, और असली गुनहगार जवाबदेही मुक्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल में ये सरकार दुनिया भर की बातें कर के आपको गोल-गोल घुमाती रही, लेकिन मुद्दे की बात नहीं की।

27 घंटे बाद रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म

रविवार दोपहर दो बजे से सोमवार शाम 4:30 बजे तक लगभग 27 घंटे तक दिल्ली हॉस्टल हादसे में रेस्क्यू ऑपरेशन चला। अब ऑपरेशन पूरा हो चुका है।

महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा बर्दाश्त नहीं करूंगा: सीएम विजय

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम विजय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता है। महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विजय का यह बयान नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन की एक्ट्रेस त्रिशा को लेकर की गई डबल मीनिंग टिप्पणी के विवाद के बीच आया है। पुलिस ने 4 अगस्त को उदयनिधि स्टालिन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन्हें उसी दिन रिहा कर दिया गया था।

इसरो चेयरमैन बोले

स्पेस एजेंसी सरकारी संस्था ही है: प्राइवेटाइजेशन नहीं हुआ

एजेंसी, बेंगलुरु।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी सरकारी संस्था है और इसका निजीकरण नहीं हुआ है। उन्होंने इसरो के कर्मचारियों की चिंताओं को जायज बताते हुए कहा कि उनका समाधान किया जाएगा। नारायणन बेंगलुरु स्पेस एक्सपो के 9वें सीजन के उद्घाटन समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में अंतरिक्ष क्षेत्र और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाने के लिए इसरो प्राइवेट कंपनियों और स्टार्टअप्स के साथ काम कर रहा है। नारायणन का बयान इसरो की 9 कर्मचारी संगठनों के 4 सितंबर को भेजे गए पत्र के बाद आया। संगठनों ने इसरो के मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को प्राइवेट संस्थाओं को सौंपने के प्रस्ताव पर जवाब मांगा था।

इसरो चीफ की बड़ी बातें; कहा- हर साल 50 लॉन्च व्हीकल का लक्ष्य

1. देश में स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाना जरूरी: हम सरकारी निवेश के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन अब हमारे सामने कई तरह के काम हैं। देश में स्पेस इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाना जरूरी है।

2. 6 साल पहले लागू हुए स्पेस सेक्टर के सुधार: करीब 6 साल पहले स्पेस सेक्टर में सुधार लागू किए गए थे। उनके मुताबिक, इन सुधारों के तहत इसरो को प्राइवेट सेक्टर और स्टार्टअप कंपनियों को सहयोग देना और देश के स्पेस इकोसिस्टम को बढ़ाना है।

3. हर साल 50 लॉन्च व्हीकल का लक्ष्य: भारत की बढ़ती अंतरिक्ष जरूरतों पर नारायणन ने कहा, देश की जरूरत हर साल करीब 50 लॉन्च व्हीकल की है। हमें आगे बढ़ना होगा।

सीएम ने प्रदेशवासियों को लिखी 'पाती'

शिक्षक वह दीप हैं, जो पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं: योगी

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस और आगामी अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम पाती लिखी है। इसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर उन्हें राष्ट्र निर्माण की नींव रखने वाले 81 गुरुजनों को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शिक्षक वह दीप हैं, जो ज्ञान का प्रकाश फैलाकर आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसी ज्ञान के विस्तार और प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाएगा।

तकनीक के दौर में डिजिटल और एआई साक्षरता जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तकनीक तेजी से हमारे जीवन को बदल रही है। ऐसे में डिजिटल साक्षरता के साथ एआई साक्षरता भी समय की आवश्यकता है। एआई, डीप-टेक और उभरती प्रौद्योगिकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं।

हमारी सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ रही है। लखनऊ में एआई सिटी और कानपुर में ड्रोन एवं यूएवी तकनीक का विकसित होता पारिस्थितिकी तंत्र उत्तर प्रदेश के तकनीकी भविष्य की नई संभावनाओं का आधार बन रहा है।

शिक्षा की यात्रा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पूरी यात्रा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे विद्यार्थियों में संस्कार, जिज्ञासा, अनुशासन, आत्मविश्वास

और दायित्वबोध जगाते हैं तथा हमारी गौरवशाली ज्ञान-परंपरा को आधुनिक ज्ञान और नवाचार से जोड़ते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साक्षरता का संकल्प समाज के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता। अगर आपके आसपास कोई व्यक्ति अक्षर ज्ञान से वंचित है, तो उसे साक्षर बनाना हम सभी का कर्तव्य है। किसी को पढ़ना-लिखना सिखाने का छोटा-सा प्रयास उसके जीवन में ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसरों के नए द्वार खोल सकता है।

शिक्षा की गुणवत्ता और कौशल विकास पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ऑपरेशन कायाकल्प, मिशन प्रेरणा, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयी सुविधाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया है। इन प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश के विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है और अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर संकल्प लें कि हर बच्चा विद्यालय पहुंचे, हर विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाए, हर युवा कौशल और नवाचार से जुड़े तथा हर नागरिक साक्षर होने के साथ डिजिटल ज्ञान और एआई के प्रति जागरूक बने।

शिक्षा का उद्देश्य संस्कार और जीवन मूल्यों से जोड़ना भी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के विद्यालय जाने का उद्देश्य केवल पढ़ना-लिखना सीखना नहीं है, बल्कि उन्हें ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन को सही दिशा देने वाली समझ प्रदान करना है। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुकुल समग्र शिक्षा के केंद्र रहे हैं, जहां ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों और दायित्वबोध की शिक्षा दी जाती थी। यही भाव आज की शिक्षा व्यवस्था का भी आधार होना चाहिए। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह जीवन को सरल बनाने के साथ समाज के लिए भी उपयोगी साबित हो।

यूपी: प्रदेश में जमकर हुई बारिश, इन जिलों में टूटा वर्षों का रिकॉर्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार को पश्चिमी यूपी और तराई के कई जिलों में जमकर बारिश हुई। बरेली में 24 घंटे के दौरान 381.1 मिमी बारिश दर्ज की गई और शाहजहांपुर में भी 227 मिमी पानी बरसा। इन दोनों जिलों के अब तक उपलब्ध मापन इतिहास में एक दिन में यह सबसे अधिक बारिश है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी यूपी और तराई में हुई इस बारिश से प्रदेश में मानसून की स्थिति बदल गई है। एक जून से सात सितंबर तक प्रदेश में सामान्य से एक प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज हो चुकी है। यानी मानसून सीजन में अब तक हुई कुल बारिश ने औसत का आंकड़ा पार कर लिया है। सोमवार को बहराइच में 175 मिमी, लखीमपुर खीरी में 156 मिमी और एटा में 135 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश हुई।

साहित्य और सिनेमा के आईने में हुई राष्ट्रवाद पर चर्चा

आरबीएस कॉलेज के राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम में संपन्न हुई आथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय संगोष्ठी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (चैप्टर आगरा) के तत्वावधान में आरबीएस कॉलेज के राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम में राष्ट्रवाद के विविध आयामः साहित्य और सिनेमा के विशेष संदर्भ में विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. ज्योत्सना शर्मा द्वारा मां शारदे की वंदना और मधुर गायन के साथ हुई। कवि डॉ. यशोयश और डॉ. सौरभ देवा ने मंचासीन अतिथियों का शॉल, माला और स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया।

उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. आशु रानी, एजीआई महासचिव प्रो. एस.एस. अवस्थी, युवराज अम्बरीश पाल सिंह, प्राचार्य प्रो. विजय श्रीवास्तव, प्रो. सुनीता रानी घोष, प्रो. राजेश कुमार, प्रो. प्रदीप श्रीधर, डॉ. युवराज सिंह और डॉ. मुकेश अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

साहित्य और सिनेमा देशभक्ति के सशक्त माध्यमः कुलपति प्रो. आशु रानी

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि साहित्य और सिनेमा ऐसे सशक्त माध्यम हैं जिनसे 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा जन्म लेती है। देश का भविष्य संचालकों की राष्ट्रभक्ति के साथ-साथ लेखकों और फिल्म निमार्ताओं द्वारा परोसी जा रही सामग्री पर भी निर्भर करता है। अध्यक्षता करते हुए प्रो. एस.एस. अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रवाद हमारे हर उस कार्य में निहित है जो हम सकारात्मक सोच और मानव कल्याण के लिए करते हैं।

अति विशिष्ट अतिथि युवराज अम्बरीश पाल सिंह ने कहा कि देश के प्रति प्रेम की निरंतरता को बनाए रखने का माध्यम साहित्य, संगीत या सिनेमा कुछ भी हो सकता है। मुख्य वक्ता प्रो. प्रदीप श्रीधर ने कहा कि साहित्य और सिनेमा में राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखते हुए सांस्कृतिक सरोकार आज की महती आवश्यकता है।

कर्तव्यनिष्ठा और स्वदेशी अंतःकरण से बनेगा भारत विश्वगुरु

कार्यक्रम संरक्षक प्राचार्य प्रो. विजय श्रीवास्तव ने कहा कि कर्तव्य के प्रति निष्ठा, भाषा और संवादशैली भी राष्ट्रवाद का ही प्रतीक है। विशिष्ट वक्ता प्रो. सुनीता रानी घोष ने कहा कि विवेकानंद के भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए स्वदेशी अंतःकरण को पंख लगाने होंगे। डॉ. मुकेश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति से ही हमारी पहचान है और सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना राष्ट्रप्रेम से ही संभव है। बीज वक्ता प्रो. राजेश कुमार ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज साहित्य में मौलिकता कम और महत्वाकांक्षा अधिक दिखाई दे रही है। द्वितीय सत्र में शोधपत्र संवाद सत्र आयोजित हुआ, जिसमें डॉ. राजेन्द्र मिलन, डॉ. सुषमा सिंह, रंजीत भदौरिया, डॉ. संदीप कुमार शर्मा, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. अंजली अवस्थी और श्रुति सिन्हा सहित कई विद्वानों ने अपने विचार रखे।

ओजपूर्ण संचालन और भव्य कवि सम्मेलन के साथ हुआ समापन

कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों का संचालन डॉ. युवराज सिंह, श्रुति सिन्हा और सुशील सरित ने किया। संगोष्ठी के तृतीय सत्र में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें डॉ. शशि तिवारी, डॉ. मधु भारद्वाज, डॉ. शशि गोयल, डॉ. यशोयश, अशोक गोयल, डॉ. अशोक अश्रु, दुर्ग विजय सिंह, डॉ. सुषमा सिंह, रमा वर्मा, रेखा कक्कड़, आभा चतुर्वेदी, यशोधरा यादव, हरीश भदौरिया और शोधार्थी ममता पाल ने अपनी ओजस्वी रचनाओं से राष्ट्रवाद का अनुपम संदेश दिया। अंत में मीडिया प्रभारी एवं कवि डॉ. यशोयश ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीएम

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई आईजीआरएस की समीक्षा बैठक

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने दिए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के कड़े निर्देश, विद्युत विभाग के अधिकारी पर नाराजगी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने शीर्ष दस गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने वाले विभागों और निचले पायदान पर रहने वाले विभागों की आख्या तलब की तथा कार्यप्रणाली में सुधार लाने के कड़े निर्देश दिए।

प्रतिदिन समीक्षा और फील्ड विजिट के निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने स्तर से प्रतिदिन आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा करें और कॉलिंग तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकताओं से दूरभाष पर शत-प्रतिशत संपर्क किया जाए तथा आवश्यकतानुसार मौके पर फील्ड विजिट कर वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही से जनपद की रैंकिंग प्रभावित होती है, तो उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में इनकी रही विशेष उपस्थिति

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप वर्मा, प्रभारी सीएमओ डॉ. अमित रावत, अपर नगरायुक्त शिशिर कुमार, डीडीओ भावना यादव, डीआईओएस रवींद्रपाल सिंह, डीसी मनरेगा रामायन सिंह यादव, डीपीआरओ मनीष कुमार, एआरटीओ आलोक अग्रवाल, डीडी एग्रीकल्चर मुकेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार और अधिशासी अभियंता सिंचाई नीरज कुमार सहित जनपद के सभी प्रमुख अधिकारी, उप जिला मजिस्ट्रेट, तहसीलदार और खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

गुणवत्ताहीन और हस्तलिखित आख्याओं पर रोक

विद्युत विभाग, समाज कल्याण, सहकारिता, जिला पंचायत, नगर निगम, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, युवा कल्याण और शिक्षा विभाग सहित कई अन्य विभागों की आख्याओं में अस्पष्टता और गुणवत्ता की कमी पाए जाने पर अधिकारियों से जवाब तलब किया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में कोई भी हस्तलिखित आख्या पोर्टल पर अपलोड नहीं की जाएगी, बल्कि स्पष्ट रूप से टाइप की गई आख्या ही लगाई जाए। विभागाध्यक्ष स्वयं आख्या को पढ़कर और हस्ताक्षर करने के बाद ही उसे अपलोड करना सुनिश्चित करें।

खाद्य सुरक्षा और कृषि विभाग की सराहना, विद्युत और समाज कल्याण पर नाराजगी

समीक्षा के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग में 88 प्रतिशत और कृषि विभाग में लगभग 85 प्रतिशत संतुष्ट फीडबैक मिलने पर जिलाधिकारी ने दोनों विभागों के कार्यों की सराहना की। इसके विपरीत, विद्युत विभाग और समाज कल्याण विभाग में शिकायतों पर सबसे अधिक असंतुष्ट फीडबैक मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और सुधार के सख्त निर्देश दिए। बैठक में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के चीफ इंजीनियर के अनुपस्थित रहने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए शासन के प्रमुख सचिव को रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए।

शिक्षक राष्ट्र के वास्तविक निर्माता: ब्रजेश दीक्षित

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

जगनेर में शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह, 16 शिक्षक व शिक्षामित्र-अनुदेशक सम्मानित

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जगनेर इकाई के तत्वावधान में सोमवार को श्रीराम गार्डन में शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक भगवान सिंह कुशवाह ने पांच सेवानिवृत्त, दस उत्कृष्ट शिक्षकों तथा एक शिक्षामित्र-अनुदेशक को शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

विधायक ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के वास्तविक निमार्ता हैं और उनका सम्मान सर्वोपरि है। एक शिक्षक की छोटी सी गलती का असर पूरे समाज और राष्ट्र पर पड़ सकता है। मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) धीरेन्द्र कुमार ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है।

प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश कुमार दीक्षित ने सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी-2026 की अधिसूचना जारी होने पर सरकार और विधायक का आभार जताया। उन्होंने शिक्षकों से विशेष टीईटी की तैयारी गंभीरता से करने की अपील की। जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र कसाना ने कहा कि शिक्षक संघ शिक्षकों के सम्मान, सेवा सुरक्षा और शैक्षिक गुणवत्ता के लिए लगातार संघर्षरत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक राजेश शर्मा ने की। इस दौरान राजेन्द्र त्यागी,कृष्ण गोपाल उपाध्याय,ब्रज भूषण शर्मा, राघवेन्द्र सिंह सिकरवार, सूरज शर्मा,विकास चतुर्वेदी, मुनेन्द्र राठौर, राकेश त्यागी,संघ के संरक्षक सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

सपा नेता के भाई के निधन पर अंशु रानी निषाद ने जताया शोक

फतेहाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता बच्चू सिंह निषाद के भाई रामसहाय के आकस्मिक निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। बाह विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी अंशु रानी निषाद फतेहाबाद क्षेत्र के गांव डंडनियापुरा स्थित सपा नेता के आवास पर पहुंचीं और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। परिजनों को सांत्वना देते हुए अंशु रानी निषाद ने कहा कि रामसहाय का यूं अचानक चले जाना परिवार के लिए अत्यंत दुखद और अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में वे पूरी तरह से परिवार के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान राजकुमार निषाद ने भी पीड़ित परिवार से भेंट कर ढांढस बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की कामना की।

लंबी कूद में छोटू ने मारी बाजी

पिनाहट। गांव अर्जुनपुरा में सोमवार को ग्रामीण युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से लंबी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आसपास के गांवों से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सोमवार को आयोजित लंबी कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी रामसेवक शर्मा, क्राइम इंस्पेक्टर राजेश कुमार, अध्यक्ष अनिल कुमार, उपाध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला, दिनेश शुक्ला फौजी, लालित शर्मा प्रधान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। प्रतियोगिता में वरना गांव के छोटू ने 21.3 फीट की छलांग लगाकर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं फतेहाबाद के संदीप ने 20.9 फीट की छलांग लगाकर द्वितीय तथा राजाखेड़ा के सचिन ने 19.9 फीट की छलांग लगाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को आयोजकों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

चंबल का जलस्तर घटा, उटंगन का बढ़ा, बहाव की गति धीमी

पिनाहट। चंबल नदी का जलस्तर आठ मीटर बढ़ने के बाद अब घटना शुरू हो गया है, लेकिन उटंगन नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। जिसे देखते हुए तटवर्ती गांवों को अलर्ट किया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुई बारिश के कारण चंबल का जलस्तर रविवार को 24 घंटे में 8 मीटर बढ़कर 112 मीटर से 121 मीटर पर पहुंच गया था। सोमवार को एक मीटर घटकर 120 मीटर पर आ गया है, जो खतरे के निशान 130 मीटर से 10 मीटर दूर है। सोमवार को नदी के बहाव की गति धीमी होने से जलस्तर और घटने की संभावना जताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर उटंगन नदी में पानी आने से जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। सोमवार को उटंगन का जलस्तर करीब एक मीटर बढ़ गया है। जिससे तटवर्ती गांव मनोना, सीयपुरा, शाहपुर, टौंडा और अरनौटा में नदी किनारे खड़ी बाजरे की फसलों में पानी भर गया है।

...कोई तो है जो कह रहा है भाजपा ने बहुत कुछ दिया है

पद का मोह नहीं केवल सेवा संकल्प : देवेंद्र कटारा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सियासत की इस दौड़ में जब हर कोई किसी ना किसी पद या मलाईदार कुर्सी की चाह में संगठन से आर-पार के मूड में नजर आता है, तब कुछ चेहरे ऐसे भी होते हैं जो तृप्ति और समर्पण की ऐसी इबारत लिख जाते हैं जो राजनीति की परिभाषा ही बदल देती है। मौजूदा दौर में जहां टिकट या मनचाहा पद न मिलने पर नेताओं का बागी तेवर अपनाना और झल्लाकर पार्टी को कोसना आम बात हो गई है, वहीं आगरा के भाजपा नेता देवेंद्र कटारा ने अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट से सियासत के गलियारों में एक नई लकीर खींच दी है।

पद की चाह नहीं, केवल सेवा का संकल्प

अपनी पोस्ट में उन्होंने इस कड़वी सच्चाई पर भी रोशनी डाली है कि आज के दौर में लोग जितना पा जाते हैं, उससे संतुष्ट होने के बजाय और अधिक के लिए अपनों पर ही सवाल उठाने लगते हैं। इसके विपरीत, देवेंद्र कटारा का यह कहना कि आज मेरी पहचान मेरे नाम से नहीं, भाजपा से है और मुझे पद

का मोह नहीं, केवल सेवा का अवसर चाहिए। राजनीतिक स्वार्थ से परे एक सच्चे स्वयंसेवक की निष्ठा को उजागर करता है। उनका यह संदेश उन तमाम कार्यकताओं और नेताओं के लिए एक बड़ा सबक है जो जरा सी अनबन पर संगठन को कटघरे में खड़ा कर देते हैं। इस दौर में जब हर कोई कुर्सी की रेस में भाग रहा है, देवेंद्र कटारा का यह संतोष भाव राजनीति में समर्पण और त्याग की उस पुरानी संस्कृति की याद दिलाता है, जहां व्यक्ति से बड़ा दल और दल से बड़ा देश होता है।

संघ के संस्कारों से लेकर ब्रज क्षेत्र के दायित्व तक का सफर

फेसबुक पर साझा किए गए अपने इस मार्मिक और वैचारिक संदेश में देवेंद्र कटारा ने साफ कर दिया है कि उनके लिए राजनीति कोई महत्वाकांक्षा का सौदा नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का एक माध्यम है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मिले अनुशासन, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से मिले संघर्ष और भारतीय जनता पार्टी से मिली पहचान को अपनी सबसे बड़ी पूंजी बताया है। एक बूथ अध्यक्ष और शक्ति केंद्र प्रभारी से लेकर युवा मोर्चा के विभिन्न पदों, किसान मोर्चा, संगठन के क्षेत्रीय दायित्वों और दिल्ली, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रवास तक के अपने सफर को उन्होंने संगठन के भरोसे का प्रतीक माना है।

रेल में अवैध वेंडिंग करने वाले 1010 वेंडर पकड़े

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा, बेहतर स्वच्छता और सुव्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आगरा मंडल में 'ऑपरेशन दूसरा' अभियान पूरी सख्ती के साथ चलाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त एस. रामकृष्णन के निर्देशन में चल रहे इस विशेष अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों के परिसरों और चलती ट्रेनों में अवैध रूप से खाद्य सामग्री बेचने वाले अनधिकृत वेंडरों के खिलाफ लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है।

जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने जानकारी दी है कि चालू वर्ष के दौरान अप्रैल से अगस्त 2026 तक की अवधि में आगरा मंडल की आरपीएफ टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल 1010 अनधिकृत वेंडरों को पकड़ा है। रेलवे अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के तहत इन सभी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे कुल 3,54,780 का जुमार्ना भी वसूला गया है। रेलवे का मानना है कि इस तरह की अवैध वेंडिंग न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे सफर कर रहे यात्रियों की सेहत और सुरक्षा पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों केहित में अपील जारी करते हुए कहा है कि वे सफर के दौरान खान-पान की वस्तुएं या अन्य सामान केवल अधिकृत और वैध वेंडरों से ही खरीदें। इसके अलावा किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति के दिखने पर तुरंत रेलवे सुरक्षा बल को सूचना दें। रेलवे अपने यात्रियों को एक सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक सफर का अनुभव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह ऑपरेशन दूसरा अभियान आगे भी इसी तरह निरंतर जारी रहेगा।

वायरल के दौर में बच्चों की खांसी को न समझें मामूली

बुखार-खांसी के साथ गले में खराश और सुस्ती दिखे तो रहें सतर्क, लगातार खांसी एलर्जी ही नहीं, टीबी का भी हो सकता है संकेत

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों की टीबी जांच में गैस्ट्रिक लैवेज तकनीक से हो रही जाँच

वायरल संक्रमण के बीच बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर अभिभावकों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। इन दिनों बच्चों में खांसी, बुखार, गले में खराश, कमजोरी और सुस्ती जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं।ऐसे में अभिभावक हर खांसी को मौसम का असर या रात में एसी-पंखा चलने की वजह मानकर नजरअंदाज न करें। खांसी वायरल संक्रमण के साथ एलर्जी का लक्षण भी हो सकती है, वहीं यदि खांसी लंबे समय तक बनी रहती है तो यह टीबी का भी संकेत हो सकती है। यह कहना है जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सुखेश गुप्ता का।

जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि बच्चों में वायरल संक्रमण के दौरान खांसी और बुखार सामान्य लक्षणों के तौर पर सामने आ सकते हैं, लेकिन लक्षणों की अवधि और बच्चे की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है। खासकर खांसी लगातार बनी रहने, बच्चे के सुस्त रहने, भूख कम होने अथवा वजन नहीं बढ़ने जैसी स्थिति में चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। अभिभावकों को बच्चों को खुद से दवा देने के बजाय चिकित्सक की सलाह को प्राथमिकता देनी चाहिए।

डीटीओ ने कहा, बच्चों में लगातार खांसी को केवल मौसम में बदलाव या रात में पंखा चलने का असर मानकर छोड़ देना उचित नहीं है। खांसी एलर्जी के कारण भी हो सकती है, लेकिन कुछ मामलों में

यह टीबी का संकेत भी हो सकती है। इसलिए लगातार खांसी की शिकायत होने पर बच्चे की चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी है।

डीटीओ ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों में वायरल संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर उनकी स्थिति पर नजर रखें। बुखार, लगातार खांसी, गले में खराश, अत्यधिक कमजोरी या सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायत होने पर चिकित्सकीय परामर्श लें। बच्चों को बाहर की खुली खाद्य सामग्री, गोलगप्पे, चाट और गन्ने के रस से बचाने की सलाह दी गई है। बाजार की बर्फ का इस्तेमाल भी नहीं करने को कहा गया है।

छोटे बच्चों में गैस्ट्रिक लैवेज से टीबी की जांच

शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों में टीबी की जांच के लिए गैस्ट्रिक लैवेज तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। छोटे बच्चे अक्सर जांच के लिए बलगम का नमूना उपलब्ध नहीं करा पाते। ऐसी स्थिति में चिकित्सकीय निगरानी में गैस्ट्रिक लैवेज के जरिए नमूना लिया जाता है, जिसकी जांच से टीबी की पहचान में मदद मिलती है। इस तकनीक से उन छोटे बच्चों की जांच संभव हो पाती है, जिनसे सामान्य तरीके से बलगम का नमूना लेना मुश्किल होता है।

डीटीओ ने अपील करते हुए कहा, बच्चों में लगातार खांसी को सामान्य समझकर नजरअंदाज न करें। यदि खांसी लंबे समय तक बनी रहती है अथवा बच्चे में अन्य लक्षण दिखाई देते हैं तो चिकित्सक से परामर्श लेकर जांच कराएं। समय पर जांच से बीमारी की पहचान और उपचार में मदद मिलती है।

बच्चों में टीबी के प्रमुख लक्षण

यूपी टीबी टास्क फोर्स के चेयरपर्सन डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बार-बार बुखार आना, लंबे समय तक खांसी रहना, वजन न बढ़ना या वजन घटना, सुस्ती, भूख न लगना और खांसी में बलगम आना टीबी के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर अभिभावकों को इसे सामान्य वायरल मानकर उपचार टालने के बजाय चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों की बीमारी को लेकर लापरवाही न बरतें। खांसी की वजह स्पष्ट नहीं होने या लगातार बने रहने की स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें। खांसी कितने दिनों से है और उसके साथ कौन-कौन से लक्षण हैं, इसकी जानकारी चिकित्सक को जरूर दें, ताकि सही जांच और उपचार की दिशा तय की जा सके।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

अवैध खनन और ओवरलोडिंग करने वालों की अब खैर नहीं

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई खनन टास्क फोर्स की बैठक

- जिलाधिकारी मनीष बंसल ने दिए बिना एचएसआरपी और ओवरलोड वाहनों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जनपद और तहसील स्तरीय खनन टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन, ओवरलोडिंग और प्रवर्तन कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई, जिसमें संबंधित अधिकारियों को सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए।

संयुक्त कार्रवाई और सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि खनन, परिवहन, पुलिस, वन और राजस्व विभाग आपसी समन्वय के साथ संयुक्त रूप से प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करें। जनपद और तहसील स्तर पर चेकिंग के लिए विशेष रोस्टर तैयार किया जाए तथा सीमा क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर नाका चेकिंग को और अधिक सक्रिय किया जाए।

ऑनलाइन प्रक्रिया, ड्रोन सर्वे और चंबल अभयारण्य क्षेत्र पर विशेष निगरानी

बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि खनन से जुड़ी सभी अनुमतियां केवल ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से ही जारी की जाएं और उनकी शर्तों का कड़ाई से पालन हो। जिला खनन अधिकारी मिथलेश पांडेय ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों और विभागीय कार्रवाइयों की जानकारी दी। इसके अलावा, राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध रेत व बालू खनन की रोकथाम के लिए संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों, कंट्रोल रूम और संयुक्त निगरानी व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

इस बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा, डीएफओ राजेश कुमार, एआरटीओ आलोक अग्रवाल सहित विभिन्न एसीपी, एसडीएम और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना एचएसआरपी और नंबर प्लेट वाले वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई

परिवहन विभाग को कड़े निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बिना नंबर प्लेट, बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट, नंबर प्लेट से छेड़छाड़ या नंबर प्लेट छिपाकर चलने वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। ऐसे वाहनों के खिलाफ चालान, सीज करने और आवश्यकतानुसार एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही ओवरलोडिंग और बिना वैध रॉयल्टी के खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर भी शिकंजा कसने के निर्देश दिए गए हैं।

अठारह साल से लापता संग्रह अमीन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जयपुर हाउस स्थित राज्य कर विभाग में कार्यरत संग्रह अमीन धर्मप्रकाश पिछले 18 वर्षों से बिना किसी सूचना के लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं। विभाग के संयुक्त आयुक्त अजीत कुमार ने जानकारी दी है कि धर्मप्रकाश ने 1 फरवरी 1992 को कार्यभार ग्रहण किया था और फरवरी 2008 के बाद से न तो उनकी उपस्थिति दर्ज है और न ही उन्होंने कोई सूचना दी है।

पूर्व में भी उनके दिए गए पते पर नोटिस भेजा गया था, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। विभाग ने अब सार्वजनिक सूचना जारी कर उन्हें 15 दिन के भीतर यानी 15 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे या उससे पहले कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया है। नियत समय पर उपस्थित न होने की स्थिति में उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

युवाओं के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर

- विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज प्रतियोगिता में भाग लें अधिक से अधिक युवा
- जिलाधिकारी मनीष बंसल ने दिए अधिकाधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश, प्रधानमंत्री के समक्ष विचार रखने का मिलेगा मौका

टीएनएफ टुडे, आगरा।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण 16 सितम्बर तक,आगरा के 15 से 29 वर्ष के युवाओं को मिलेगा प्रधानमंत्री से मिलने का स्वर्णिम अवसर

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित होने वाली विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज प्रतियोगिता में जनपद के अधिक से अधिक युवाओं और विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारियों और सभी शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रतियोगिता युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जुड़ने और अपनी नेतृत्व क्षमता को निखारने का एक अनूठा मंच प्रदान करती है।

पांच चरणों में आयोजित होगी प्रतियोगिता

यह पूरी प्रतियोगिता कुल पांच चरणों में संपन्न होगी, जिसमें युवाओं को अपनी प्रतिभा साबित करने का मौका मिलेगाः

प्रथम चरण माई भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन विकसित भारत क्विज का आयोजन होगा, जिसमें प्रतिभागी खुद हिस्सा लेंगे। द्वितीय चरण चयनित प्रतिभागियों के लिए विकसित भारत निबंध चुनौती होगी, जिसका मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा।

तृतीय चरणः हर जनपद से शीर्ष 50 निबंधों को चुनकर जिला चैंपियनशिप (पीपीटी राउंड) होगी, जिससे प्रत्येक जिले से दो सर्वश्रेष्ठ प्रस्तोता चुने जाएंगे।

चतुर्थ चरणः राज्य स्तर पर प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय मंच के लिए राज्य की टीम का चयन किया जाएगा। पंचम एवं अंतिम चरणः राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में युवाओं को केंद्रीय मंत्रियों, सचिवों और डोमेन विशेषज्ञों के सामने अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही, क्षेत्रीय फाइनलिस्टों को प्रधानमंत्री के साथ सीधे संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

जिलाधिकारी ने जनपद के सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल का हिस्सा बनकर आगरा को अग्रणी बनाएं।

मौसम बदलते ही बढ़े वायरल फीवर के मरीज, पर्चा बनवाने को लगी लंबी लाइन

फतेहाबाद। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव और बारिश के बाद वायरल फीवर समेत सर्दी, जुकाम, खांसी और खुजली के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद की ओपीडी में करीब 290 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। इनमें सबसे अधिक मरीज वायरल फीवर से पीड़ित रहे। वहीं सर्दी-जुकाम, खांसी और खुजली मरीज बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे। मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण सीएचसी की ओपीडी में पर्चा बनवाने के लिए मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। पर्चा बनवाने और चिकित्सक को दिखाने के बाद दवा लेने के लिए भी मरीजों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। इससे मरीजों और तीमारदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की भीड़ नजर आई।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद के अधीक्षक डॉ. अभिषेक चौहान ने बताया कि मौसम में बदलाव के चलते वायरल फीवर के मरीजों की संख्या बढ़ी है। बारिश के कारण खुजली और त्वचा संबंधी रोगों के मरीज भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से बाजार के खुले खाद्य पदार्थों का सेवन न करने और ठंडा पानी पीने से बचने की अपील की। साथ ही साफ पानी पीने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी।

ससुराल में युवक फंदे पर झूला

फतेहाबाद। ससुराल में रह रहा युवक फंदे पर झूल गया पत्नी शव लेकर ससुराल पहुंची सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना फतेहाबाद के हरिकिशनपुरा निवासी सुंदर सिंह पुत्र रामसेवक उम्र 35 वर्ष 1 माह से अपनी ससुराल पथौली थाना शाहगंज जिला आगरा में रह रहा था तभी बीती रात सुंदर सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जानकारी पर पत्नी शव को लेकर ससुराल पुराहरिकिशन पहुंची तभी परिजनों ने 112 पर पुलिस को सूचना दी थाना फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

गाली गलौज का विरोध करने पर चले लाठी डंडे

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र पारौली सिकरवार में गाली गलौज का विरोध करने पर दो पक्षों में मारपीट हो गई इस दौरान तीन घायल हो गए पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रवींद्र पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी पारौली सिकरवार ने थाना फतेहाबाद में तहरीर देकर पुलिस बताया कि रविवार की रात आठ बजे के करीब मेरी पुत्री छत थी। आरोप है कि परिवार के ही धर्मेंद्र का भाई गाली गलौज करने लगा तभी विरोध करने पर धर्मेंद्र पक्ष के लोग हाथों में लाठी डंडे लेकर आ गए।और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान मारपीट में रवींद्र, उनकी मां राजवती घायल हो गई। वहीं दूसरे पक्ष से धर्मेंद्र घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेज दिया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आमने-सामने बाइक टकराने से दो घायल, आगरा रेफर

पिनाहट। थाना मनसुखपुरा क्षेत्र के पिनाहट-राजाखेड़ा मार्ग पर गांव करकोली मोड़ पर सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर करीब दो बजे करकोली निवासी परमार सिंह जरूरी सामान लेने के लिए अड्डे पर गए थे। वहां से बाइक से वापस लौटते समय पिनाहट की ओर से आ रहे बाबरपुर निवासी सचिन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिनाहट में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर दोनों को आगरा रेफर कर दिया गया।

नलकूप पर रखे ट्रांसफार्मर से उपकरण चोरी

पिनाहट। थाना बासौनी क्षेत्र के गांव गढ़िया मथुरा प्रसाद में खेतों में लगे निजी नलकूप पर रखे ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोर उपकरण और तेल चोरी कर ले गए। पीड़ित किसान ने बताया कि उसके खेत पर 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था। रविवार रात अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर को पोल से नीचे गिरा दिया और उसके कीमती उपकरण व तेल निकालकर ले गए। सोमवार सुबह खेत पर पहुंचने पर चोरी की जानकारी हुई। मामले को लेकर पीड़ित ने थाना बासौनी में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एआई और कोडिंग से संवरेगा युवाओं का भविष्य

जेपी सभागार में आयोजित कार्यशाला में चमके आगरा के होनहार छात्र

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जेपी सभागार में जिलाधिकारी मनीष बंसल की गरिमामयी उपस्थिति में कोड योगी फाउंडेशन की ओर से एक भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जनपद के एडेड स्कूलों के छात्र-छात्राओं को एआई आधारित तकनीक और कोडिंग में दक्ष बनाना है. इस कार्यशाला में जनपद के सभी एडेड माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. कार्यशाला के दौरान युवाओं को भविष्य की तकनीकी नौकरियों, स्व-रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया गया

एआई केवल तकनीक नहीं, बल्कि भविष्य के विकास का माध्यमः डीएम

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि एआई आज के दौर में केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि भविष्य के विकास का एक अनिवार्य माध्यम है. उन्होंने शिक्षकों और प्रधानाचार्यों से अपील की कि वे खुद भी एआई सीखें और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़ें. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई का उपयोग शिक्षा को प्रभावी बनाने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए किया जाना चाहिए. वर्तमान में आगरा के लगभग 8 से 8.5 हजार विद्यार्थी इस कार्यक्रम से जुड़ चुके हैं और करीब 50 विद्यार्थियों ने सभी 30 मॉड्यूल सफलतापर्वक पूरे कर लिए हैं।

निःशुल्क कोडिंग और तकनीकी शिक्षा से बदल रही है तकदीर

कोड योगी फाउंडेशन द्वारा यह निःशुल्क शिक्षा विशेष रूप से गरीब, संसाधनहीन और वित्तीय रूप से पिछड़े मेधावी छात्रों के लिए उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे कॉलेज की पढ़ाई के साथ या स्कूली शिक्षा के दौरान तकनीकी रूप से सशक्त बन सकें. संस्था के प्रतिनिधि राकेश सहगल ने पीपीटी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को पंजीकरण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के तरीके समझाए. उन्होंने बताया कि किस तरह सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं ने इस शिक्षा के जरिए बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों में लाखों रुपये के पैकेज वाली नौकरियां हासिल की हैं।

- जिलाधिकारी मनीष बंसल की मौजूदगी में कोड योगी फाउंडेशन ने युवाओं को दी मुफ्त तकनीकी शिक्षा की सौगात

बच्चों ने साझा किए अपने अनुभव और हुए सम्मानित

कार्यशाला के दौरान कोड योगी से तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने अपने सफल प्रयोग साझा किए

महात्मा दूधाधारी इंटर कॉलेज के आठवीं के छात्र आशीष (जिनके पिता किसान हैं) ने एआई तकनीक का प्रयोग कर अपने पिता को कीटनाशक और अन्य दवाओं की सही जानकारी देने में सहायता की। एसएमडी इंटर कॉलेज नगला विष्णु के ग्यारहवीं कक्षा के छात्र राजू ने वर्चुअल लैब पर कार्य किया। नगर निगम गर्ल्स हाईस्कूल की अलसिफा ने 'सेव वाटर' पर वीडियो तैयार किया। तुलसी देवी गर्ल्स हाईस्कूल की प्रियांशी ने सिलाई और होम डेकोरेशन में एआई का बेहतरीन उपयोग दिखाया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले इन सभी बच्चों को कार्यक्रम में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम के अंत में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) रवींद्र पाल सिंह तोमर ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर अपर जिला विद्यालय निरीक्षक (एडीआईओएस) विश्वप्रताप सिंह, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मानवेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षक और युवा मौजूद रहे।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़कर हुई 10 सितंबर

आगरा। धान, बाजरा और अरहर के बीमा की दरें निर्धारित कृषि क्षेत्र से जुड़ी एक महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर सामने आई है, जिसके तहत भारत सरकार ने खरीफ फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 10 सितंबर 2026 कर दिया है। उप कृषि निदेशक मुकेश कुमार ने जानकारी दी है कि पहले गैर ऋणी किसानों के लिए अंतिम तिथि 14 अगस्त और ऋणी किसानों के लिए 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 10 सितंबर कर दिया गया है।

आगरा में इन फसलों के लिए तय किया गया प्रीमियम

जिला आगरा में इस सीजन के लिए धान, बाजरा और अरहर की फसलों को बीमा योजना के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। धानः प्रति हेक्टेयर 80,000 रुपये बीमित राशि पर 2 प्रतिशत की दर से 1,600 रुपये प्रीमियम तय किया गया है।बाजराः प्रति हेक्टेयर 57,000 रुपये बीमित राशि पर 2 प्रतिशत की दर से 1,140 रुपये प्रीमियम देय है। अरहरः प्रति हेक्टेयर 90,900 रुपये बीमित राशि पर 2 प्रतिशत की दर से 1,818 रुपये प्रीमियम निर्धारित है। स्थानीय आपदा पर 72 घंटे के भीतर देनी होगी सूचना यदि किसी प्राकृतिक आपदा या स्थानीय नुकसान की स्थिति बनती है (धान की फसल को छोड़कर), तो कृषक को घटना

जनसेवा के संकल्प का एक महीना

17 सितंबर से घर-घर पहुंचेगी भारतीय जनता पार्टी

- सेवा संकल्प अभियान' के तहत पच्चीस सेवा कार्यों पर केंद्रित होगी भाजपा की रणनीति
- जयपुर हाउस स्थिति भाजपा कार्यालय पर हुई कार्यशाला

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर उत्तर प्रदेश की आगरा महानगर इकाई द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन जयपुर हाउस स्थित ब्रज क्षेत्र कार्यालय पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, विधायक डॉ. जी.एस. धर्मेश और विधायक धर्मपाल सिंह ने महापुरुषों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और माल्यार्पण करके किया।

हर बूथ और शक्ति केंद्र तक पहुंचेगा सेवा का संदेश

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि आलोक गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' को बूथ स्तर तक ले जाने की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को पार्टी कार्यकताओं द्वारा हर शक्ति केंद्र तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस एक महीने के दौरान कुल 25 सेवा कार्यों पर विशेष फोकस रहेगा, जिसमें आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों तक पहुंचना, शिक्षण संस्थानों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताएं, दो अक्टूबर को नमो सेवा गाथा के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, और आंगनवाड़ी केंद्रों पर 'आंगन के उत्सव' जैसे आयोजन शामिल हैं। इसके अलावा सेवा सेतु शिविर लगाकर जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा और सेवा ज्योति यात्राएं निकाली जाएंगी।

पूरी ईमानदारी और लगन से कार्य करेंगे कार्यकर्ताः राजकुमार गुप्ता

भाजपा आगरा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक जनप्रतिनिधि, महानगर कार्यकारिणी, मंडल, मोर्चे और प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता इस एक महीने के अभियान में पूरी निष्ठा के साथ अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि हर बूथ पर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचकर सरकार की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए।

ये रहे प्रमुख रूप से मौजूद

इस कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, विधायक डॉ. जी.एस. धर्मेश, विधायक धर्मपाल सिंह के साथ-साथ महेश शर्मा, हेमंत भोजवानी, नीतेश शिवहरे, दीपू जादोन, राहुल सागर, मनमोहन कुशवाह, नवीन गौतम, राजू परमार, अतुल गर्ग, रोहित कत्याल, गौरव राजावत, अनीता खरे, डॉ. निधि शर्मा, नेहा गुप्ता, अंजू गर्ग, विजय श्रीवास्तव, करुणा निधि गर्ग, माधुरी माहोर, विकास भारद्वाज, अंकित शर्मा, विकास गुप्ता, विक्रांत तिवारी, नंदी महाजन, के.के. सिकरवार, गया लोधी, विवेक पाठक, शशांक शर्मा, आदित्य अग्रवाल, संध्या माहोर और दीक्षा बघेल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में पथराव और फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक बरामद

फतेहाबाद। थाना बमरौली कटारा पुलिस ने जमीनी विवाद में पथराव करने और बंदूक से फायरिंग करने के मामले में कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 12 बोर की लाइसेंसी दुनाली बंदूक, एक फंसा हुआ कारतूस, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है।

सहायक पुलिस आयुक्त फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि थाना क्षेत्र के थोक मानिकचंद कस्बा बमरौली कटारा निवासी धर्मेंद्र सिंह राणा पुत्र बहादुर सिंह राणा ने 6 सितंबर को थाने पर तहरीर देकर बताया कि वह अपनी पुरानी और जर्जर बाउंड्रीवॉल को ठीक कराने पहुंचा था। इसी दौरान गांव के सत्यपाल सिंह, भरत सिंह पुत्रगण पूरन सिंह हेमंत, तिरवेंद्र पुत्रगण राजपाल सिंह सहित अन्य लोगों ने एकराय होकर हमला बोल दिया। आरोपियों ने ईंट-पत्थर फेंके और बंदूक से फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में पीड़ित पक्ष के लोग घायल हो गए थे, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। सोमवार को थानाध्यक्ष दीपक तिवारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर थोक मानिकचंद्र थाना बमरौली कटारा निवासी भरत सिंह पुत्र पूरन सिंह और हेमंत पुत्र राजपाल सिंह को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी भरत सिंह की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 12 बोर की लाइसेंसी दुनाली बंदूक, एक फंसा हुआ कारतूस, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

बदलते दौर में हमारी प्राथमिकताओं का सिमटता दायरा और मानवीय संवेदनाओं का संकट

आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आज हम सब जिस तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं, उसने हमारी भौतिक सुख-सुविधाओं में तो भारी इजाफा किया है, लेकिन इसके साथ ही हमारे सामाजिक और मानवीय ताने-बाने को अंदर से खोखला भी कर दिया है। आज स्थिति यह हो गई है कि महानगरों की चौड़ी सड़कों और कांच की इमारतों के बीच इंसान और इंसान के बीच की दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। तकनीकी ने हमें एक-दूसरे से डिजिटल रूप से तो जोड़ दिया है, किंतु दिलों के स्तर पर हम एक ऐसे एकांत में जीने लगे हैं जहाँ दूसरों के दुख-दर्द से हमारा सरोकार खत्म होता जा रहा है। विकास के इस विरोधाभास पर विचार करना आज के समय की सबसे बड़ी और अनिवार्य आवश्यकता बन गया है।

इस वैचारिक पतन का सबसे स्पष्ट असर हमारी संवेदनाओं पर दिखाई देता है। पहले समाज में पड़ोसियों के सुख-दुख में शरीक होना, किसी जरूरतमंद की बिना किसी स्वार्थ के मदद करना और सादगी से जीवन जीना जीवन का एक सहज हिस्सा हुआ करता था। आज उसकी जगह पूरी तरह से व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और उपभोगवादी संस्कृति ने ले ली है। हमारे लिए सफलता का पैमाना केवल इस बात से तय होने लगा है कि बैंक खाते में कितनी राशि है और भौतिक संसाधनों का स्तर क्या है। इस अंधी होड़ में हमने उन मानवीय मूल्यों को पीछे छोड़ दिया है जो वास्तव में एक स्वस्थ और सुखी समाज की असल नींव हुआ करते थे।

इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए हमें अपनी जीवनशैली और प्राथमिकताओं की नए सिरे से समीक्षा करनी होगी। शिक्षा और संस्कारों का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करके बड़ी नौकरियां पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका लक्ष्य एक ऐसा संवेदनशील इंसान तैयार करना होना चाहिए जो समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझ सके। जब तक हम दिखावे की दुनिया से बाहर निकलकर सहअस्तित्व और भाईचारे के मूल मंत्र को अपने जीवन में नहीं उतारेंगे, तब तक तकनीकी रूप से उन्नत यह समाज भीतर से खोखला ही बना रहेगा। असली तरक्की तभी सार्थक है जब विकास के इस रथ पर समाज का हर वर्ग साथ चल सके और किसी की भी मानवीय गरिमा आहत न हो।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब हनुमान जी ने लंका दहन के बाद भी अपनी पूंछ की आग बुझाने कर दिया था मना

जब हनुमान जी ने सोने की लंका को अपनी पूंछ की आग से पूरी तरह भस्म कर दिया और रावण का सारा घमंड पलभर में धूल में मिल गया, तब लंका दहन के बाद एक ऐसा दुर्लभ और आध्यात्मिक प्रसंग सामने आया जो उनके परम वैराग्य और प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाता है। पौराणिक कथाओं और लोक-प्रसंगों के अनुसार, जब हनुमान जी ने पूरी नगरी को जलाकर शांत करने का निश्चय किया, तब उन्होंने अपनी पूंछ की भीषण अग्नि को बुझाने के लिए समुद्र की ओर रुख किया। लंका के राजमहलों और स्वर्ण भवनों को जलाने के बाद उनकी पूंछ पर वह भयंकर प्रलयकारी अग्नि धू-धू करके जल रही थी, जिसकी ऊष्मा से संपूर्ण समुद्र का जल भी खौलने लगा था। जब हनुमान जी समुद्र के तट पर पहुँचे और अपनी पूंछ को जल में डुबोने लगे, तब अचानक अग्नि देव स्वयं एक सूक्ष्म दिव्य रूप में प्रकट हुए और उन्होंने हनुमान जी से हाथ जोड़कर प्रार्थना की, हे महावीर, हे पवनसुत, अब अपनी इस क्रोधित अग्नि को शांत कीजिए। आपके तेज से समुद्र का जल भी उबल रहा है और ब्रह्मांड में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। अग्नि देव की इस विनय को सुनकर हनुमान जी के मन में एक क्षण के लिए विचार आया कि रावण की लंका का दहन करने का उनका मुख्य उद्देश्य पूरा हो चुका है, इसलिए अब इस आग को बुझा देना चाहिए। परंतु तभी उनके भीतर श्री राम की वह छवि और उनका वह पावन उद्देश्य गूंज उठा जिसके लिए उन्होंने यह विराट रूप धारण किया था। हनुमान जी ने अग्नि देव से कहा, हे देव, यह अग्नि केवल लकड़ी या तिनकों को जलाने वाली साधारण आग नहीं है। यह मेरे आराध्य प्रभु श्रीराम के अपमान का बदला लेने और अधर्म के अहंकार को भस्म करने वाली पावन ज्योति है। यदि मैंने इसे अभी पूरी तरह बुझा दिया, तो यह संदेश जाएगा कि रावण के पापों का दहन अधूरा रह गया है। इस आग को अभी कुछ समय और जलने दीजिए ताकि यह केवल लंका के महलों को ही नहीं, बल्कि संसार के हर उस कोने के अहंकार को जलाए जो धर्म के मार्ग में बाधा बनता है। कहा जाता है कि हनुमान जी ने उस दिन अपनी पूंछ की आग को तुरंत बुझाने से मना कर दिया और उसे तब तक प्रज्वलित रखा जब तक कि रावण के अहंकार का अंतिम छोर भी राख नहीं हो गया। इसके बाद जब लंका का पूरा स्वर्ण साम्राज्य जलकर खाक हो गया और न्याय की पूर्ण स्थापना हो गई, तब उन्होंने समुद्र के पवित्र जल में उतरकर अपनी पूंछ की उस दिव्य अग्नि को शांत किया। यह अनसुना प्रसंग हमें यह गहरी सीख देता है कि जब धर्म की रक्षा और अन्याय के विनाश के लिए कोई अग्नि प्रज्वलित होती है, तो उसे तब तक शांत नहीं होना चाहिए जब तक कि जड़ से अहंकार का नाश न हो जाए।

हिमालय की बाढ़: जिम्मेदार कौन?

प्रोफेसर आर्य मित्र

हिमालयी क्षेत्र में लगातार बढ़ती बाढ़, बादल फटने, भूस्खलन और ग्लेशियर झीलों के फटने जैसी घटनाओं ने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है—क्या ये केवल प्राकृतिक आपदाएँ हैं या इनके पीछे हमारी विकास नीति और पर्यावरण के प्रति लापरवाही भी जिम्मेदार है? नेपाल और तिब्बत में हाल की विनाशकारी बाढ़ ने एक बार फिर पूरे उत्तर भारत को चेतावनी दी है कि हिमालय में होने वाली घटनाओं का प्रभाव सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। नदियों के माध्यम से उसका असर बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य मैदानी क्षेत्रों तक पहुँच सकता है।

सबसे पहले एक तथ्य स्पष्ट होना चाहिए। हिमालयी क्षेत्र की अचानक आने वाली बाढ़ को तकनीकी रूप से सुनामी कहना उचित नहीं है। सुनामी मुख्यतः समुद्र में भूकंप अथवा समुद्रतल की बड़ी हलचल से उत्पन्न होती है। हिमालय में ग्लेशियर टूटने, ग्लेशियल झील फटने, अत्यधिक वर्षा, बादल फटने या भूस्खलन से आने वाली बाढ़ अलग प्रकार की आपदा है। हालांकि इसकी गति और विनाशकारी क्षमता कई बार सुनामी जैसी प्रतीत हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन ने हिमालय की संवेदनशीलता बढ़ा दी है। तापमान बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अनेक ग्लेशियल झीलों का विस्तार हो रहा है। दूसरी ओर, अत्यधिक वर्षा और बादल फटने की घटनाएँ अचानक भारी मात्रा में पानी पहाड़ों की ओर भेजती हैं। अस्थिर चट्टानों और ढलानों के कारण भूस्खलन का खतरा भी बढ़ता है। इन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के साथ यदि सड़क, सुरंग, बांध, होटल और अन्य निर्माण बिना पर्याप्त पर्यावरणीय तथा आपदा जोखिम आकलन के किए जाएँ, तो नुकसान कई गुना बढ़ सकता है।

इसलिए केवल प्रकृति को दोष देकर सरकार, प्रशासन और समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। नदी के प्राकृतिक मार्ग में अतिक्रमण, वनों की कटाई, जलग्रहण क्षेत्रों का क्षरण, अनियोजित शहरीकरण और बाढ़ क्षेत्र में निर्माण ने समस्या को गंभीर बनाया है। पहाड़ी क्षेत्रों में विकास आवश्यक है, लेकिन विकास और विनाश के बीच अंतर समझना भी उतना ही आवश्यक है।

सबसे बड़ी आवश्यकता हमारी आपदा नीति में परिवर्तन की है। अभी भी अधिकांश प्रयास आपदा आने के बाद राहत, बचाव और मुआवजे पर केंद्रित रहते हैं। हमें 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले सुरक्षा' की व्यवस्था विकसित करनी होगी। इसके लिए संवेदनशील ग्लेशियरों और ग्लेशियल झीलों की निरंतर निगरानी, उपग्रहों, रडार, ड्रोन और स्वचालित जलमापी केंद्रों का व्यापक उपयोग तथा आधुनिक पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करनी होगी। जहाँ जोखिम अधिक हो, वहाँ समय रहते चेतावनी और सुरक्षित स्थानों तक लोगों को पहुँचाने की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए।

हिमालय किसी एक देश की संपत्ति नहीं है। नेपाल, भारत और चीन के तिब्बती क्षेत्र की नदियाँ और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए सीमा-पार जल, मौसम, ग्लेशियर और बाढ़ संबंधी वैज्ञानिक सूचनाओं का वास्तविक समय में आदान-प्रदान आवश्यक है। स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन को भी मजबूत करना होगा। समय पर मिली सूचना अनेक लोगों की जान बचा सकती है।

उत्तर भारत के लिए भी अब अलग रणनीति आवश्यक है। नेपाल और हिमालय से आने वाली नदियों के बाढ़-जोखिम क्षेत्रों का वैज्ञानिक मानचित्रण किया जाए। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र में अतिक्रमण रोका जाए। पुराने जलमार्ग, तालाब और आर्द्रभूमियाँ पुनर्जीवित की जाएँ। शहरों में वर्षाजल निकासी की क्षमता बढ़ाई जाए। कृषि क्षेत्रों में ऐसी फसल एवं जल प्रबंधन प्रणालियाँ विकसित की जाएँ जो अल्पकालिक जलभराव और बाढ़ के प्रभाव को कम कर सकें।

गाँवों और कस्बों में स्थानीय आपदा प्रबंधन समितियाँ सक्रिय की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्राम पंचायतों में नियमित आपदा प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल और प्राथमिक बचाव का अभ्यास कराया जाए। प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग और सुरक्षित स्थान निर्धारित हों। इससे आधुनिक तकनीक के साथ स्थानीय अनुभव और सामुदायिक क्षमता भी आपदा प्रबंधन का हिस्सा बनेगी।

सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विकास परियोजनाओं की अनुमति केवल आर्थिक लाभ देखकर न दी जाए। प्रत्येक बड़ी सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजना और पर्यटन परियोजना के लिए जलवायु परिवर्तन तथा आपदा जोखिम का स्वतंत्र वैज्ञानिक आकलन आवश्यक होना चाहिए। नियमों का उल्लंघन होने पर जिम्मेदारी तय हो और पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी करने वाली संस्थाओं पर प्रभावी कार्रवाई हो।

यह समझना होगा कि जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का विषय नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, पेयजल, रोजगार, स्वास्थ्य, परिवहन और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से जुड़ा प्रश्न है। हिमालय में एक बड़ी आपदा का प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर तक पहुँच सकता है। इसलिए आपदा प्रबंधन को विकास नीति के केंद्र में रखना होगा, न कि केवल राहत और बचाव विभाग की जिम्मेदारी मानना होगा।

आज आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक चेतना और जिम्मेदार विकास की है। हिमालय को रोकना संभव नहीं है, लेकिन उसके जोखिमों को समझना, उनका पूर्वानुमान लगाना और जनहानि को न्यूनतम करना संभव है। इसके लिए सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों, स्थानीय प्रशासन, नागरिक समाज और आम जनता को मिलकर काम करना होगा।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि बाढ़ के लिए केवल प्रकृति जिम्मेदार है या सरकार। वास्तविक प्रश्न यह है कि ज्ञात जोखिमों के बावजूद हमने कितनी तैयारी की और कितनी लापरवाही की। यदि हिमालय सुरक्षित रहेगा तो उसकी नदियाँ जीवनदायिनी रहेंगी; यदि हिमालय का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ा, तो उत्तर भारत का भविष्य भी असुरक्षित होगा। इसलिए अब हमारी नीति का मूल मंत्र होना चाहिए—ह्लआपदा के बाद राहत नहीं, आपदा से पहले सुरक्षा; अनियोजित विकास नहीं, प्रकृति-सम्मत विकास।ह्व हिमालय को बचाना वास्तव में उत्तर भारत के भविष्य को बचाना है।

> आज आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक चेतना और जिम्मेदार विकास की है। हिमालय को रोकना संभव नहीं है, लेकिन उसके जोखिमों को समझना, उनका पूर्वानुमान लगाना और जनहानि को न्यूनतम करना संभव है। इसके लिए सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों, स्थानीय प्रशासन, नागरिक समाज और आम जनता को मिलकर काम करना होगा।

जब आस्था शोर बन जाए: त्योहारों के प्रदूषण का बढ़ता खतरा

बृज खंडेलवाल

त्योहार खुशियाँ लाते हैं। वे लोगों को जोड़ते हैं और रिश्तों में मिठास घोलते हैं। लेकिन जब भक्ति का वॉल्यूम इतना बढ़ जाए कि पूरा मोहल्ला परेशान हो जाए, तो सवाल उठना लाज़िमी है।

कभी त्योहार सादगी, श्रद्धा, लोक संगीत और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े थे। मिट्टी की मूर्ति बनती थी और श्रद्धा के साथ उसका विसर्जन होता था। आज तस्वीर काफी बदल गई है। ऊँचे लाउडस्पीकर, डीजे, बड़े साउंड सिस्टम, रीमिक्स गाने और लंबी शोभायात्राएँ त्योहारों का हिस्सा बनते जा रहे हैं। कई बार भक्ति कम और शोर ज्यादा सुनाई देता है। त्योहारों का प्रदूषण केवल पानी और मूर्तियों तक सीमित नहीं है। शोर भी अब गंभीर प्रदूषण बन चुका है। कर्नाटक के कोडागु जिले में पुलिस ने हाल ही में आयोजकों को ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन करने की चेतावनी दी है। संदेश साफ है: उत्सव मनाइए, लेकिन कानून की हद में।

कानून भी बिल्कुल स्पष्ट है।

Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत बनाए गए हैं। इनमें अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ध्वनि की सीमा तय है। लाउडस्पीकर और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के इस्तेमाल पर भी नियम लागू होते हैं। सामान्यतः रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तेज आवाज पर रोक रहती है।

अस्पतालों, स्कूलों और रिहायशी इलाकों में तो और ज्यादा एहतियात जरूरी है। आखिर किसी मरीज की बीमारी, किसी बच्चे की नींद और किसी विद्यार्थी की पढ़ाई पर डीजे की मर्जी क्यों चले?

यहीं सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है: कानून है, फिर अमल कहाँ है?

हर त्योहार पर अक्सर वही कहानी दोहराई जाती है। आयोजक अनुमति लेते हैं और नियम मानने का भरोसा देते हैं। फिर डीजे शुरू होता है। आवाज बढ़ती जाती है और पूरा मोहल्ला बिना अपनी मर्जी के कार्यक्रम का हिस्सा बन जाता है।

शिकायत करने पर कभी पुलिस आती है, कभी नहीं। कई बार चेतावनी देकर मामला खत्म हो जाता है। इससे गलत संदेश जाता है कि त्योहारों में नियम थोड़े ढीले चल सकते हैं।

यही सोच असली समस्या है।

प्रशासन की अपनी मुश्किलें भी हैं। एक साथ कई कार्यक्रम होते हैं। पुलिस बल सीमित होता है। ध्वनि मापने के उपकरण भी हर जगह तुरंत उपलब्ध नहीं होते। लेकिन इन परेशानियों का अर्थ यह नहीं कि कानून को ताक पर रख दिया जाए।

गणेश चतुर्थी का इतिहास हमें उत्सव की असली ताकत भी याद दिलाता है। 1893 में बाल गंगाधर तिलक ने गणेश उत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इसका उद्देश्य लोगों को जोड़ना और सामाजिक चेतना पैदा करना था। आज वही उत्सव कई जगह शक्ति प्रदर्शन की होड़ में बदलता दिखाई देता है। बड़े मंच, बड़े स्पीकर, बड़े जुलूस और उससे भी बड़ा शोर, मानो भक्ति की गहराई डेसिबल से मापी जाने लगी हो।

यह भी भूलना नहीं चाहिए कि विसर्जन के दौरान भीड़, यातायात, पर्यावरण और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियाँ पैदा होती हैं। उत्सव जब दूसरे नागरिकों के अधिकारों से टकराने लगे, तब आत्ममंथन जरूरी है।

इसका अर्थ त्योहार बंद करना नहीं है। जरूरत त्योहारों की मूल भावना वापस लाने की है।

आयोजकों को अनुमति पहले लेनी चाहिए। तय रास्ते, समय और ध्वनि सीमा का पालन होना चाहिए। डीजे मनोरंजन करे, पड़ोसियों को परेशान न करे।

मरीज को शांति चाहिए। बच्चे को नींद चाहिए। बुजुर्ग को सुकून चाहिए। विद्यार्थी को पढ़ाई के लिए खामोशी चाहिए। इन जरूरतों का सम्मान करना भी धर्म और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

पर्यावरण की चिंता भी उतनी ही जरूरी है। पीओपी की मूर्तियाँ, रासायनिक रंग और प्रदूषित जल विसर्जन हमारी आस्था की कीमत नहीं हो सकते। मिट्टी की मूर्ति, प्राकृतिक रंग और जिम्मेदार विसर्जन उत्सव को सुंदर भी बनाते हैं और टिकाऊ भी। आखिर भक्ति वह नहीं, जो दूसरों को बेचैन कर दे। धर्म वह नहीं, जो पड़ोसी की नींद हराम कर दे।

गणेश को विघ्न विनाशक कहा जाता है, बाधाओं को दूर करने वाला। उनके प्रति सच्ची श्रद्धा यही होगी कि हमारा उत्सव खुद किसी के लिए नया विघ्न न बने।

आस्था और पर्यावरण साथ चल सकते हैं। आस्था और कानून भी साथ चल सकते हैं। लेकिन आस्था और सार्वजनिक परेशानी का कोई मेल नहीं।

त्योहार हमारी खुशी हैं। उन्हें किसी और की सजा नहीं बनना चाहिए। त्योहार श्रद्धा के हों, प्रदूषण के नहीं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 09 सितंबर 2026 बुधवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन कन्या तुला धनु और मकर राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश तथा बुद्धि और व्यापार के कारक बुध देव की उपासना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन गणेश जी को दूर्वा अर्पित करने तथा गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और असीम ज्ञान, बुद्धि, यश तथा व्यापारिक सफलता की प्राप्ति होती है।

मेष

आज आपको कार्यक्षेत्र में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है और अपनी वाणी पर विशेष संयम रखना होगा। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी में कोई भी बड़ा निर्णय लेने से बचें। गणेश जी के मंदिर में हरी मूंग की दाल दान करें जिससे आपके सभी कष्ट दूर होंगे।

वृष

आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ और फलदायी रहेगा तथा सोचे हुए सभी कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापार में नए अनुबंध मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और मन प्रसन्न रहेगा। गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का स्थायी वास होगा।

मिथुन

आज आपकी तीव्र बुद्धिमत्ता और रणनीतिक कौशल के बल पर आपके सभी लंबित प्रशासनिक कार्य तेजी से निपटेंगे। परिवार के सदस्यों का भरपूर सहयोग मिलने से पारिवारिक माहौल बहुत आनंदमय रहेगा। गणेश चालीसा का पाठ करें जिससे आपके भीतर नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होगा।

कर्क

आज व्यर्थ के मानसिक तनाव और अनचाहे खर्चों से बचने के लिए अपने बजट पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और बाहरी खानपान से परहेज करें। किसी जरूरतमंद को हरी सब्जियां दान करें जिससे आपकी मानसिक चिंता दूर होगी।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय के नए स्रोत विकसित होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या

आज आपकी राशि पर बुध का विशेष प्रभाव रहने के कारण व्यापारिक गतिविधियों में अप्रत्याशित सफलता मिलने के योग हैं। विद्यार्थियों का मन अध्ययन में लगेगा और प्रतियोगिता परीक्षा में अनुकूल परिणाम मिलेंगे। गणेश जी को दूर्वा और मोदक अर्पित करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

तुला

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों को कोई बड़ा मंच या विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और कहीं छोटी यात्रा का योग बनेगा। मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करें जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज वाहन चलाते समय और यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है ताकि किसी असुविधा से बचा जा सके। व्यावसायिक क्षेत्र में अनजान लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें। संकट नाशन गणेश स्तोत्र का वाचन करें जिससे आपके सभी गुप्त शत्रु शांत होंगे।

धनु

आज साझेदारी में किए जा रहे व्यापार से आपको बहुत अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा और परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। गणेश मंत्र का जाप करें जिससे आपकी निर्णय क्षमता और विवेक में सुधार होगा।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति या नए दायित्व मिलने की संभावना है। पुराने कानूनी मामलों में आपके पक्ष में फैसला आ सकता है। पक्षियों को हरा चारा या मूंग की दाल डालें जिससे आपके करियर की बाधाएं दूर होंगी।

कुंभ

आज संतान पक्ष से कोई अत्यंत सुखद और संतोषजनक समाचार प्राप्त होने से मन बहुत प्रफुल्लित रहेगा। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और नए विचार आएंगे। गणेश जी के सम्मुख दूर्वा रखकर पूजा करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी।

मीन

आज भूमि भवन या वाहन की खरीद फरोख्त से जुड़ा कोई बड़ा फैसला लेने के लिए दिन अनुकूल है। पारिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी और परिजनों का स्नेह प्राप्त होगा। गाय को हरा चारा खिलाएं जिससे आपके घर परिवार में अखंड समृद्धि का वास हो।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन भवन के ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां हरे पौधे स्थापित करने तथा हल्दी से स्वास्तिक चिन्ह निर्मित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा श्री गणेश की कृपा से आर्थिक संकट हमेशा के लिए दूर होते हैं।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper
आगरा, मंगलवार
08 सितम्बर 2026

समान मानदेय की मांग को लेकर डोर-टू-डोर की हड़ताल

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ नगर आयुक्त ने कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ की बैठक -आठ सदस्यीय समिति गठित;

■ 25 सितंबर 2026 में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण वाहनों पर तैनात कर्मचारियों द्वारा विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं में समान मानदेय एवं माह में 30/31 दिनों का मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर रविवार सुबह कार्य बहिष्कार कर हड़ताल की गई। कर्मचारियों का कहना है कि नगर निगम में कार्यरत विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा अकुशल, अर्धकुशल, कुशल एवं महाकुशल श्रेणी के कर्मचारियों को समान मानदेय नहीं मिल रहा है, जिसके कारण उनमें असंतोष है।

कर्मचारियों के अनुसार, एक ही श्रेणी में कार्य करने वाले कर्मचारियों के मानदेय में कार्यदायी संस्था के अनुसार अंतर है। इसी मांग को लेकर कर्मचारियों द्वारा कार्य बहिष्कार किया गया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त ओजस्वी राज द्वारा सफाई कर्मचारियों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में अपर नगर आयुक्त श्रीमती सुनीता सिंह, सहायक श्रम आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, लेखाधिकारी, मुख्य नगर लेखा परीक्षक, नगर स्वास्थ्य अधिकारी सहित कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान नगर आयुक्त महोदय ने कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से उनकी मांगों को समझते हुए आठ सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति की अध्यक्षता अपर नगर आयुक्त श्रीमती सुनीता सिंह करेंगी तथा इसमें कर्मचारी प्रतिनिधियों के दो सदस्यों को भी शामिल किया गया है। नगर आयुक्त ने समिति को निर्देश दिए कि कर्मचारी हित एवं नगर निगम के हित को ध्यान में रखते हुए नियमों के अनुरूप सभी आवश्यक पहलुओं का परीक्षण कर 25 सितम्बर 2026 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि प्रकरण पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके।

नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम के सफाई कर्मियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने तथा उनके समाधान के लिए वह सदैव तत्पर हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व के दौरान नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मचारियों के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

बैठक के दौरान उपस्थित सभी कर्मचारी प्रतिनिधियों ने हड़ताल समाप्त कर कार्य पर लौटने का आश्वासन दिया।

बैठक में उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर एकता मंच के उत्तम चंद सजना, महानगर अध्यक्ष प्रीतम सिंह, विक्की वाल्मीकि प्रदेश उपाध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ, बंटी छोटेलाल कर्मचारी संघ उपाध्यक्ष, राजवीर ड्राइवर यूनियन, जितेंद्र, अजय चौधरी, हरि गोपाल ठाकुर, दिलीप ठाकुर, विक्रांत चौबे, संजय चौहान एवं बच्चू सिंह सहित अन्य कर्मचारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बच्चों को दिया कचरा प्रबंधन का ज्ञान

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ स्वच्छ वायु दिवस पर नगर निगम मथुरा-वृंदावन के स्वच्छ सारथी क्लबों में पर्यावरण जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन

स्वच्छ वायु दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम मथुरा-वृंदावन एवं नगर निगम की कार्यदायी संस्था प्लान फाउंडेशन एवं प्रोजेक्ट मथुरा के संयुक्त नेतृत्व में ह्वाक्लाइमेट पर चर्चाह्व के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छ सारथी क्लबों एवं विद्यालयों में पर्यावरण जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

इस क्रम में प्लान फाउंडेशन की टीम द्वारा वार्ड संख्या 15 स्थित एल.बी. ग्लोबल स्कूल एवं सेंट पब्लिक स्कूल, वार्ड संख्या 20 स्थित सनराइज पब्लिक स्कूल, वार्ड संख्या 38 स्थित स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल तथा वार्ड संख्या 46 स्थित होली एंजल्स पब्लिक स्कूल में कार्यशालाएं आयोजित की गई। वहीं प्रोजेक्ट मथुरा द्वारा पार्वती राधाकिशन फोमरा स्कूल में पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशालाओं के दौरान विद्यार्थियों को जीरो-वेस्ट कॉलोनी, कचरा एवं जल प्रबंधन तथा स्रोत पर ही कचरे के पृथक्करण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने से कचरे के बेहतर प्रबंधन और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया जा सकता है।

इस दौरान ब्रज के घाटों पर मिलने वाले कचरे को लेकर भी चर्चा की गई तथा फूलों से कम्पोस्ट तैयार करने, पुरानी एवं अनुपयोगी पोशाकों को नगर निगम के अर्पण कलश में देने तथा प्लास्टिक की बोतलों और थैलियों का उपयोग बंद कर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने जैसे व्यावहारिक समाधान बताए गए।

कार्यशाला में फ्फ्फ-फीढ्ढी, फी४री और फीू८ी के माध्यम से कचरा कम करने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को कचरा कम करने में बोतल गैंग एवं झोला गैंग तथा प्लास्टिक के पुनर्चक्रण में प्लास्टिक बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई।

अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

राष्ट्रीय लोक अदालत प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झण्डी

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास कुमार ने 12 सितम्बर (शनिवार) को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को चार प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

प्रचार वाहन के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी व पराविधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। प्रचार वाहनों ने शहर व ग्रामीण क्षेत्र में लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस मौके पर अपर जिला जज अजय पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, श्रीमती अनीता सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा सहित अन्य न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल आदि उपस्थित रहे। 12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार पूरे जनपद में किया जा रहा है।

श्रीमती अनीता सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा द्वारा समस्त जनमानस से अपील की गई है 12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मुकदमे को चिन्हित कर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर उसका निस्तारण कराएं।

एमबीबीएस छात्र-छात्राओं ने किया डॉक्टरों और शिक्षकों का सम्मान

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस (शिक्षक दिवस) के अवसर पर केएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एमबीबीएस (बैच 2022) के छात्र-छात्राओं ने अपने डॉक्टरों और शिक्षकों को कलम तथा गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.सी. प्रजापति, प्रति कुलपति एवं मेडिकल प्राचार्य डॉ. शरद अग्रवाल, रजिस्ट्रार डॉ. पूरन सिंह तथा चांसलर सलाहकार डॉ. एस.पी. गोस्वामी द्वारा डॉ. राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन हॉस्पिटल की जनरल मैनेजर स्वाती शर्मा ने किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों के साथ सैल्फी करके अपने-अपने मोबाइल में यादगार के लिए कैद किया।

डॉ. एन.सी. प्रजापति (कुलपति) ने कहा शिक्षक केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों की भावना विकसित कर उन्हें एक सफल चिकित्सक बनाते हैं।

डॉ. शरद अग्रवाल (प्रति कुलपति एवं मेडीकल प्राचार्य) ने छात्र-छात्राओं से पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा कि कठिन मेहनत और अनुशासन से ही एक बेहतरीन चिकित्सक बना जा सकता है।

घर बने तालाब, अब तहसील में डाला डेरा

जगनेर के जलभराव पर फूटा जनाक्रोश, भजन-कीर्तन के बीच सैकड़ों ग्रामीणों का धरना

■ एसडीएम न्यायिक विनोद चौधरी एवं चेयरमैन कुलदीप गर्ग के खिलाफ नारेबाजी, एसडीएम नरेंद्र गंगवार ने समझाकर किया शांत

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, खेरागढ़।

तीन साल से जलभराव और गंदगी की मार झेल रहे जगनेर नगर पंचायत के वार्ड संख्या-2 और 7 के लोगों का सब्र सोमवार को जवाब दे गया। सैकड़ों महिला-पुरुष ट्रैक्टरों में भरकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार की अगुवाई में खेरागढ़ तहसील पहुंच गए और परिसर में ही भजन-कीर्तन शुरू कर अनिश्चितकालीन धरना दे दिया। तहसील परिसर दिनभर नारेबाजी और कीर्तन की गूंज से गूंजता रहा।धरने के दौरान ग्रामीणों का गुस्सा जगनेर नगर पंचायत के प्रभारी अधिशासी अधिकारी एवं एसडीएम न्यायिक विनोद चौधरी पर फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतें के बावजूद उनकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। आक्रोशित लोगों ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मामला बढ़ता देख एसडीएम नरेंद्र गंगवार मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाकर माहौल शांत कराया।

धरने में शामिल महिलाओं उमा देवी,बट्टनदेवी, उल्ला देवी,रेखा, माया,सरस्वती,गुड्डी,बबीता,राम बेटी ने बताया कि करीब 200 परिवार बदहाल हालात में जीवन गुजार रहे हैं। बरसात के दौरान घरों में कमर तक पानी भर जाता है। कई परिवार छतों पर रहने को मजबूर हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे और महिलाओं को घर से बाहर निकलने के लिए कपड़े ऊपर कर गंदे पानी से गुजरना पड़ता है। उनका कहना था कि नगर पंचायत चेयरमैन कुलदीप गर्ग और अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च दिखाए जा रहे हैं, जबकि हकीकत में वार्डों की गलियां आज भी तालाब बनी हुई हैं। लोगों का कहना था कि पिछले दो दिनों से वे जगनेर में धरना दे रहे थे, लेकिन उनकी सुध लेने कोई जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि या चेयरमैन कुलदीप गर्ग नहीं पहुंचा। इसके बाद मजबूर होकर तहसील मुख्यालय पर आंदोलन करना पड़ा।धरने में कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार और शहर अध्यक्ष अमित सिंह भी ग्रामीणों के साथ डटे रहे। उनको एसडीएम नरेंद्र गंगवार ने स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण करने का आश्वासन दिया। इसके बाद एसडीएम नरेंद्र गंगवार, एसडीएम न्यायिक विनोद चौधरी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार और ग्रामीणों के प्रतिनिधियों के साथ जगनेर पहुंचे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जलभराव वाले क्षेत्रों का जायजा लिया। तत्काल राहत के लिए पंपसेट लगवाकर पानी निकलवाने की व्यवस्था कराई गई तथा जिस स्थान से पानी की आवक हो रही थी, उसे बंद कराने के निर्देश दिए गए। इसके बावजूद देर शाम तक बड़ी संख्या में ग्रामीण तहसील परिसर में भजन-कीर्तन करते हुए डटे रहे ग्रामीणों ने कहा कि आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए। जब तक वार्डों से पानी नहीं निकलेगा और स्थायी जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक धरना जारी रहेगा।

करोड़ों रुपए की सरकारी भूमि खुर्द बुर्द करने के प्रयास

मथुरा। तहसील सदर मथुरा में करोड़ों रुपये की 15.62 हेक्टेयर सरकारी भूमि का फर्जी ढंग से एग्रीमेंट कर विक्रय करने के प्रयास में तहसीलदार सदर की तहरीर पर थाना सदर कोतवाली में 16 लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है।

ग्राम आडूकी, भुडरसु, तारसी और बाद में करोड़ों रुपए की कीमत की 15 हेक्टेयर से अधिक भूमि का नेम सिंह पुत्र लाल निवासी समसपुर मथुरा, योगेंद्र पुत्र रघुनाथ निवासी आजमपुर मथुरा, नारायण सिंह पुत्र ज्ञानी निवासी भैसा, राजू पुत्र रतिराम निवासी रासपुर, डोरीलाल पुत्र गोपी निवासी नगला मोहर, राल व अन्य द्वारा कई लोगों को विक्रय हेतु एग्रीमेंट कर दिया गया। शिकायत प्राप्त होने पर तहसील से जांच की गई, जिसमें यह पाया गया कि करोड़ों रुपए की सरकारी भूमि का गलत तरीके से निजी व्यक्तियों को विक्रय किए जाने हेतु एग्रीमेंट किए गए हैं। इस पर जिलाधिकारी मथुरा के निर्देश पर तहसीलदार सदर द्वारा थाना सदर कोतवाली में तहरीर देकर 16 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है।

खेत पर अतिक्रमण का आरोप, विरोध करने जान से मारने की धमकी

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, खेरागढ़।

खेरागढ़ थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कुछ लोगों पर उसके खेत पर अतिक्रमण करने तथा विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर पीड़ित ने थाना प्रभारी खेरागढ़ को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, आवेदक सतीशचन्द्र गर्ग पुत्र नेमीचन्द गर्ग ने बताया कि गाटा संख्या 770 में उसका खेत है। उसके खेत के पीछे स्थित गाटा संख्या 772 में कुछ लोगों द्वारा मकान आदि बनाए जाने का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि संबंधित लोग उसके खेत में मिट्टी डालकर कब्जे का प्रयास कर रहे हैं।

आवेदक ने बताया कि पूर्व में राजस्व विभाग की टीम द्वारा खेत की पैमाइश की गई थी और रिपोर्ट उपजिलाधिकारी खेरागढ़ को भेजी गई है। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि संबंधित लोगों को जवाब देने के लिए समय दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद वे उसके खेत में कथित रूप से अतिक्रमण करने का प्रयास कर रहे हैं।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब वह इसका विरोध करता है तो गाली-गलौज कर और जान से मारने की धमकी देते हैं।

शिकायत करता ने थाना प्रभारी से मामले की जांच कर निर्माण कार्य रोकने तथा आरोपित लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

थाना प्रभारी हरीश शर्मा ने मामले को लेकर कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है।

राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं को कैनवास पर उकेर रहे बीस चित्रकार

गीता शोध संस्थान में 'श्री कृष्ण नेशनल आर्ट वर्कशॉप-2026' प्रारंभ

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ देशभर से आए 20 ख्याति प्राप्त चित्रकार कर रहे श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रांकन

■ पद्मश्री, राष्ट्रपति सम्मान एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके कलाकार ले रहे भाग

श्रीकृष्णोत्सव-2026 के अंतिम आयोजन के रूप में जन्माष्टमी के बाद अब भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं को रंग और तूलिका के माध्यम से कैनवास पर साकार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में सोमवार से तीन दिवसीय श्री कृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर (श्री कृष्ण नेशनल आर्ट वर्कशॉप-2026) का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर 09 सितंबर तक चलेगा।

शिविर का शुभारंभ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र, गीता शोध संस्थान के निवर्तमान निदेशक प्रो दिनेश खन्ना, डॉ. उमेश चंद्र शर्मा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने चित्रकारों का स्वागत करते हुए शिविर का विधिवत शुभारंभ किया।

इसके उपरांत चित्रकारों को कैनवास, रंगों की किट एवं अन्य आवश्यक कला सामग्री प्रदान की गई।

इस अवसर पर गीता शोध संस्थान के महेश चंद्र शर्मा ने कला, भक्ति और भारतीय परंपरा में चित्रांकन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रण केवल कलात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भक्ति और साधना का भी माध्यम है।

राष्ट्रीय स्तर के इस कला शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से आए 20 ख्याति प्राप्त चित्रकार भगवान श्रीकृष्ण, राधा-कृष्ण के प्रेम तथा ब्रज की विविध लीलाओं को अपनी-अपनी विशिष्ट कला शैलियों में कैनवास पर उकेर रहे हैं। इनमें 16 महिला और चार पुरुष चित्रकार शामिल हैं। कई प्रतिभागी देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं कला संस्थानों में प्रोफेसर हैं, जबकि कुछ चित्रकार ललित कला अकादमी, एनसीईआरटी तथा विभिन्न मंत्रालयों के लिए कला एवं डिजाइन से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य कर चुके हैं।

शिविर में भाग लेने वाले चित्रकारों में पद्मश्री शांति देवी (मधुबनी), डॉ. अलका झा (इंदौर), डॉ. वंदना जोशी (नाथद्वारा), डॉ. पूनम रानी (अलीगढ़), नीतिक्षा डावर (दिल्ली), डॉ. खुशबू उपाध्याय (गाजियाबाद), सुश्री नेहा (लखनऊ), मनजीत कौर (चंडीगढ़), डॉ. अलका मनीष पाठक (सीहोर), सोमा आनंद (पटना), विनीता सिंह (पटना), विनीता शर्मा (जयपुर), कंचन प्रकाश (ग्रेटर नोएडा), सुमित्रा अहलावत (दिल्ली), सुमन डोंगरे (उज्जैन), प्रिंस राज (मेरठ), विनोद कुमार सिंह (लखनऊ), जयेश त्रिवेदी (उज्जैन) तथा ललित कला अकादमी, आगरा के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह (आगरा) शामिल हैं।

इनमें पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध मधुबनी चित्रकार शांति देवी प्रमुख आकर्षण हैं। उनकी मधुबनी शैली की कला देश-विदेश में प्रदर्शित हो चुकी है। राष्ट्रपति भवन में अपनी चित्र प्रदर्शनी लगा चुकीं कंचन प्रकाश भी शिविर में भाग ले रही हैं।

अपने उद्बोधन में पद्मश्री शांति देवी ने कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन कला को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि वे जीवनभर चित्रकला से जुड़ी रहना चाहती हैं और अगले जन्म में भी चित्रकार बनना चाहेंगी। उनकी कला-यात्रा और मधुबनी शैली के माध्यम से भारतीय लोककला को देश-विदेश में मिली पहचान का भी उल्लेख किया गया।

कार्यक्रम में कला एवं संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े मार्गदर्शक दीपक, रामवीर, मोहिनी कृष्णदासी, विक्रम दिवाकर मनीष, बच्चू सिंह और सुनील सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संचालन चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया। उन्होंने सभी चित्रकारों का परिचय कराया।

समाधान दिवस में 97 शिकायतें, 12 का मौके पर निस्तारण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। डीएम ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनकर अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित 97 शिकायतें आईं, जिनमें 12 का मौके पर ही निस्तारण कराया गया।

डीएम ने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों में संयुक्त टीम भेजकर निष्पक्ष पैमाइश और कार्रवाई के निर्देश दिए। सरकारी भूमि पर कब्जे और अतिक्रमण की शिकायतों में तत्काल स्थलीय जांच कर सख्त कार्रवाई करने को कहा। दिवनारा की रचना पचौरी की गाटा संख्या 864 पर कब्जे की शिकायत पर थानाध्यक्ष और तहसीलदार को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं कनवारा निवासी विजय कुमार की पैमाइश के बाद मेड़ डालने में बाधा की शिकायत पर एसडीएम को पुलिस-राजस्व टीम भेजने के निर्देश दिए।

डीएम ने पूर्व में निस्तारित शिकायतों का फोन पर फीडबैक भी लिया। शिकायतकर्ताओं ने निस्तारण पर संतोष जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या हीलाहवाली मिलने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में एसएसपी आदित्य लांग्हे, सीडीओ शत्रोहन वैश्य सहित जिला और तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

74 मुकदमों में बरामद अवैध असलहा नष्ट

सिरसागंज। थाना सिरसागंज परिसर में सोमवार को शस्त्र अधिनियम से संबंधित 74 निस्तारित मुकदमों के माल का नियमानुसार विनिष्टीकरण कराया गया। कार्रवाई उपजिलाधिकारी सिरसागंज सिद्धार्थ पाठक एवं क्षेत्राधिकारी सिरसागंज चंचल त्यागी की उपस्थिति में की गई। अपर पुलिस महानिदेशक, आगरा जोन, आगरा द्वारा न्यायालय से निस्तारित शस्त्र अधिनियम से संबंधित मुकदमों के माल के विनिष्टीकरण के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे के कुशल पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनुज कुमार चौधरी एवं क्षेत्राधिकारी सिरसागंज चंचल त्यागी के निर्देशन में यह कार्रवाई हुई। थाना सिरसागंज में पंजीकृत शस्त्र अधिनियम के 74 मुकदमों का निस्तारण अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-02, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद न्यायालय द्वारा किए जाने के बाद माल के विनिष्टीकरण की अनुमति प्राप्त हुई थी। इसी के अनुपालन में 7 सितंबर 2026 को प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह की मौजूदगी में संबंधित माल को नियमानुसार नष्ट कराया गया। विनिष्टीकरण किए गए माल में 71 अवैध तमंचे एवं कारतूस तथा 3 अवैध चाकू शामिल रहे। कार्रवाई के अनुपालन से न्यायालय को भी अवगत कराया गया। विनिष्टीकरण टीम में शामिल अधिकारी/कर्मचारी: क्षेत्राधिकारी सिरसागंज चंचल त्यागी, उपजिलाधिकारी सिरसागंज सिद्धार्थ पाठक, प्रभारी निरीक्षक थाना सिरसागंज अनिल कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक धर्मवीर सिंह तथा हेड मोहर्रिर विजयभान सिंह शामिल रहे।

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय किशनपुर का किया औचक निरीक्षण

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने प्राथमिक विद्यालय किशनपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था और बच्चों की शैक्षणिक स्थिति परखी। उन्होंने कक्षा दो और चार में बच्चों से सवाल पूछे। छात्रा आंचल और गुंजन ने सही जवाब दिए, जबकि गुंजन ने 18 का पहाड़ा भी सुनाया। इससे प्रसन्न डीएम ने बच्चों को टॉफी वितरित की। विद्यालय में 109 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं, जबकि निरीक्षण के दौरान 66 उपस्थित मिले। डीएम ने मिड-डे मील, पेयजल, स्वच्छता और रसोइयों के मानदेय की जानकारी ली। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की और प्रधानाचार्या को शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि पठन-पाठन की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सीडीओ शत्रोहन वैश्य, बीएसए अनिल कुमार और एसडीएम शिकोहाबाद मौजूद रहे।

मत्स्य पालन पट्टे के लिए 11 सितंबर को होगी नीलामी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

उप जिलाधिकारी जसराना ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि तहसील जसराना क्षेत्र की ग्राम सभाओं में स्थित तालाबों, पोखरों, मीनाशयों एवं जल प्रणालियों के 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टे आवंटन के लिए नीलामी की जाएगी। नीलामी 11 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसील जसराना के सभागार में आयोजित होगी।

नीलामी में भाग लेने के लिए आरक्षित बोली की 10 प्रतिशत जमानत राशि पहले जमा करनी होगी। 2 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले तालाबों की आरक्षित बोली 5,000 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष तथा 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों की आरक्षित बोली 10,000 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष निर्धारित की गई है।

2 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले तालाबों के आवंटन में प्रथम वरीयता केवट, कहार, मल्लाह आदि मछुआ समुदाय को तथा द्वितीय वरीयता अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अन्य व्यक्तियों को दी जाएगी।

एसडीएम ने बताया कि यदि किसी तालाब की नीलामी 11 सितंबर को नहीं हो पाती है तो उसका नीलामी/पट्टा आवंटन प्रत्येक शुक्रवार को राजकीय कार्य दिवस में जारी रहेगा, जब तक संबंधित तालाबों के निस्तारण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। समिति की सहमति से सूची में शामिल अन्य अवशेष तालाबों का भी मत्स्य पालन पट्टा आवंटित किया जा सकेगा।

सिरसागंज में बी-WISE मिनी मार्ट का शुभारंभ, पशुपालकों और महिलाओं को मिलेगी नई दिशा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सिरसागंज।

शिक्षक दिवस के अवसर पर अरांव रोड स्थित ध्रुव नगर में मैजंटा फाइनेंस, सेल्फ फाउंडेशन और क्रिमान्शी फीड की संयुक्त पहल से ह्वइ-हक्रए मिनी मार्टह्न का भव्य शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण पशुपालकों को पशुपालन से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना, साथ ही ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान करना है।

बी-हक्रए मिनी मार्ट के शुरू होने से अब स्थानीय पशुपालकों को पशु आहार, सप्लीमेंट, पशु स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी मार्गदर्शन और पशु बीमा जैसी सुविधाओं के लिए दूर शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। मिनी मार्ट में Animeta, Occamy, Krimanshi, Digopreutic और Vitulomics जैसी विभिन्न कंपनियों के पशुपालन से संबंधित उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

इस अवसर पर रूपाली सेंगर ने कहा, यह मार्ट केवल एक दुकान नहीं है, बल्कि गांव की महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने और अपने क्षेत्र में एक नई पहचान बनाने का अवसर है। हमारा प्रयास है कि पशुपालकों को बेहतर उत्पाद, सही जानकारी और आवश्यक सेवाएं उनके गांव के नजदीक ही उपलब्ध हों। साथ ही, महिलाओं को इस पहल के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिले। वहीं मैजंटा फाइनेंस के अधिकारी सम्राट रॉय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, पशु स्वास्थ्य और पशुपालकों की आय में वृद्धि आज की महत्वपूर्ण जरूरतों में शामिल हैं। बी-हक्रए मिनी मार्ट जैसी पहल ग्रामीण स्तर पर पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ महिलाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान दीपक प्रधान सहित स्थानीय ग्रामीण महिलाएं और पशुपालक उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण क्षेत्र में पशुपालन, महिला सशक्तिकरण और पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन रवाना, छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

सोमवार को जनपद न्यायाधीश डॉ. बब्बू सारंग द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रचार वाहनों के माध्यम से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी तथा अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालत के माध्यम से अपने वादों एवं विवादों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इसके उपरांत राजकीय हाईस्कूल, दबरई एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने विभिन्न नारों एवं संदेशों के जरिए जन-जन तक राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जागरूकता पहुंचाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फिरोजाबाद सुश्री योगेश शिवा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत आमजन को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। लोक अदालत में आपसी सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण कराया जाता है, जिससे पक्षकारों के समय एवं धन की बचत होती है तथा आपसी सौहार्द भी बना रहता है।

जनपदवासियों से अपील की गई कि वे 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने लंबित अथवा प्री-लिटिगेशन मामलों के निस्तारण के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करें।

फतेहपुर कर्खा अंडरपास से दहेज हत्या का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सिरसागंज। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नसीरपुर पुलिस ने दहेज हत्या से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सिरसागंज के नेतृत्व में थाना नसीरपुर पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 210/2026, धारा 80(2)/85 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित अभियुक्त सिंगराज उर्फ अलवर सिंह पुत्र केशव दयाल निवासी गढ़ी दान सहाय, थाना नसीरपुर, जनपद फिरोजाबाद को 6 सितंबर 2026 को फतेहपुर कर्खा अंडरपास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम:. जसवीर सिंह, प्रभारी निरीक्षक,. उपनिरीक्षक सौरभ शर्मा,. कांस्टेबल विकास प्रिय अशोक, . कांस्टेबल अंकुश कुमार, थाना नसीरपुर।

राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने पर अश्वनी जैन का भव्य स्वागत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

श्री महावीर दिगंबर जैन इंटर कॉलेज के नागरिक शास्त्र प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर विद्यालय में भव्य स्वागत किया गया। गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में मानविकी वर्ग में यह सम्मान मिलने से विद्यालय परिवार और जिले के शिक्षकों में खुशी की लहर है।

प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन ने कहा कि अश्वनी जैन ने नागरिक शास्त्र विषय को रुचिकर बनाने के लिए संविधान क्विज, पोस्टर प्रतियोगिता, नागरिक शास्त्र मेला, भारतीय संसद का मॉडल और शैक्षिक भ्रमण समेत अनेक नवाचार किए हैं।

वह जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक के रूप में भी एक हजार से अधिक विज्ञान प्रदर्शनियां और गतिविधियां आयोजित कर चुके हैं। हेमचंद्र जैन ने इसे जनपद के लिए गौरव का क्षण बताया।

सम्मानित शिक्षक अश्वनी कुमार जैन ने मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यालय परिवार का आभार जताते हुए कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल किताबें पढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना भी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितिन मिश्र ने किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, प्रबंध समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जलभराव से प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे कांग्रेसी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

बारिश से जिले में जगह-जगह हुए जलभराव को लेकर कांग्रेस ने प्रभावित लोगों की समस्याएं उठाने का निर्णय लिया है। जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने कांग्रेसियों से जलभराव वाले क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनने और अधिकारियों के सामने उनका समाधान कराने की मांग करने को कहा।

जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जलभराव से घरों, दुकानों, गलियों और रास्तों में पानी भरने से लोगों को परेशानी हो रही है। कई विद्यालयों में भी पानी भरने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित है। उन्होंने कहा कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष राजवीर सिंह यादव, जितेंद्र तिवारी, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय यादव, सेवादल जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, शांतिदास शंखवार, अनिल यादव, उमर फारूक, संजय यादव, जयपाल सिंह, रामप्रवेश, राकेश कुमार, संजू शंखवार, संजय रावत, राजुद्दीन आदि मौजूद रहे।

जनगणना की तैयारियों में लापरवाही न बरतें अधिकारी: जिलाधिकारी

जनगणता की तैयारियों की बैठक में जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने दिये निर्देश

मैनपुरी। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने रविवार को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने मानव संसाधन, प्रशिक्षण, एचएलबी के पुनर्गठन और ड्यूटी आवंटन की समीक्षा करते हुए कहा कि जनगणना महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसमें आंकड़ों की शुद्धता और समयबद्धता से कोई समझौता न हो।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्यूटी सूची में केवल उपलब्ध और सक्षम कर्मचारियों के नाम ही शामिल किए जाएं। करीब 717 अतिरिक्त प्रगणकों की संभावित आवश्यकता को देखते हुए पर्याप्त कार्मिकों का डाटाबेस तैयार रखने को कहा। उन्होंने एचएलबी यानी हाउसहोल्ड लिस्टिंग ब्लॉक की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिक आबादी या कार्यभार वाले ब्लॉक को जरूरत के अनुसार विभाजित किया जाए। इसके लिए पोर्टल और एक्सेल शीट में उपलब्ध वास्तविक आंकड़ों का परीक्षण किया जाए।

उन्होंने कहा कि पिछली जनगणना और वर्तमान आंकड़ों का तुलनात्मक परीक्षण कर विसंगतियों को दूर करने के निर्देश भी दिए। अधिशासी अधिकारी और तहसीलदार स्वयं पोर्टल पर आंकड़ों की जांच करें। अनुभवी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को बिना उचित कारण न बदला जाए। विद्यालयों में ड्यूटी आवंटन इस तरह किया जाए कि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो।

बैठक में एडीएम श्याम लता आनंद, एसडीएम, जिला विद्यालय निरीक्षक, अधिशासी अधिकारी और खंड शिक्षाधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ में डूबे गांवों की जिंदगी हुई बेहाल

घर के आंगन से चौके तक पहुंचा पानी, चूल्हे बुझने के साथ मच्छरों का कहर

- गंगा खतरे के निशान से 14 सेंटीमीटर ऊपर, एक माह से अंधेरे में रातें काट रहे ग्रामीण

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

गंगा का पानी बढ़ रहा है और उसके साथ तटीय गांवों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें भी गहराती जा रही हैं। कहीं घरों के आंगन पानी में डूबे हैं तो कहीं बाढ़ का पानी चौके तक पहुंच गया है। जिन घरों में कभी चूल्हे जलते थे, वहां अब पानी से बचाने के लिए सामान को चारपाइयों और ऊंचे स्थानों पर रखने की जद्दोजहद चल रही है। बाहर निकलने के रास्ते डूबे हैं और भीतर पानी दस्तक दे रहा है। दिन पानी से संघर्ष में गुजर रहा है और रातें अंधेरे में कट रही हैं।

सोमवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर कछला ब्रिज पर 162.64 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 162.50 मीटर से 14 सेंटीमीटर ऊपर है। जलस्तर का रुख बढ़ने का बताया गया है। सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक हरिद्वार डाउनस्ट्रीम से 1,21,147 क्यूसेक, बिजनौर डाउनस्ट्रीम से 1,32,811 क्यूसेक और नरौरा बैराज डाउनस्ट्रीम से 99,297 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया।

आंगन डूबा तो चौका भी नहीं बचा

कासगंज। गंगा किनारे बसे मूंजखेड़ा, नगला दुर्जन, नगला नरपत, नगला खना, नगला पदम, नगला जयकिशन समेत कई गांवों में बाढ़ का पानी ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन चुका है। गलियों और रास्तों में पानी पहले से भरा है। अब कई घरों के आंगन से होता हुआ पानी अंदर तक पहुंचने लगा है। जिन परिवारों के घरों में पानी घुस गया है, उनके सामने सबसे बड़ी चिंता राशन, बिस्तर, कपड़े और घरेलू सामान बचाने की है। चारपाइयों पर सामान चढ़ा दिया गया है। अनाज को ऊंचे स्थानों पर रखा जा रहा है। कई घरों में रसोई तक पानी पहुंचने से खाना बनाने का संकट खड़ा हो गया है। जिस चौके में परिवार का चूल्हा जलता था, वहां अब पानी खड़ा है।

ग्रामीण उवेंश यादव ने बताया कि गांवों में एंटी लार्वा का छिड़काव कराया गया है, लेकिन मच्छरों की समस्या कम नहीं हुई है। उन्होंने बाढ़ प्रभावित गांवों में नियमित फॉगिंग कराने की मांग की है, ताकि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से लोगों को राहत मिल सके।

एक माह से बिजली का इंतजार, अंधेरे में कट रही रात

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बिजली संकट ने ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ा दी है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब एक माह से बिजली आपूर्ति प्रभावित है। दिनभर पानी और कीचड़ से जूझने के बाद जब रात आती है तो घरों में अंधेरा पसर जाता है।

मोबाइल चार्ज करने से लेकर बच्चों की पढ़ाई और घरों में रोशनी तक की समस्या बनी हुई है। बाढ़ के पानी ने जहां रास्ते छीन लिए हैं, वहीं बिजली संकट ने रातों की रोशनी भी छीन ली है।

ग्रामीणों के सामने एक ही सवाल–कब मिलेगी राहत?

बाढ़ प्रभावित गांवों में रहने वाले लोगों की जिंदगी इस समय राहत और इंतजार के बीच झूल रही है। बढ़ता जलस्तर उन्हें डरा रहा है, ठहरा पानी मच्छरों का प्रकोप बढ़ा रहा है और बिजली संकट रातों को मुश्किल बना रहा है।

ग्रामीणों की मांग है कि प्रभावित गांवों में फॉगिंग, दवा का छिड़काव, पशुओं के लिए चारा, बिजली आपूर्ति और आवागमन की व्यवस्था पर तत्काल ध्यान दिया जाए।

रास्ते डूबे, नाव बनी सहारा

बाढ़ ने गांवों की राह भी रोक दी है। जरूरत का सामान लेने, दवा लाने या किसी जरूरी काम से बाहर निकलने के लिए ग्रामीणों को पानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। कई स्थानों पर नाव ही आवागमन का सहारा बनी हुई है। बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं के लिए यह स्थिति और ज्यादा मुश्किल है। पानी के बीच से निकलते समय हादसे का डर बना रहता है। ग्रामीणों की चिंता सिर्फ आज की नहीं, बल्कि इस बात की भी है कि अगर पानी इसी तरह बढ़ता रहा तो आगे क्या होगा।

पशुओं के लिए सूखा चारा जुटाना भी चुनौती

बाढ़ की मार इंसानों के साथ पशुओं पर भी पड़ रही है। घरों के आसपास पानी भरने से पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधना मुश्किल हो गया है। सूखा चारा बचाना और लगातार उपलब्ध कराना भी ग्रामीणों के लिए चुनौती बना हुआ है। कई परिवार अपने पशुओं को ऊंचे स्थानों पर रखने को मजबूर हैं।

ठहरे पानी के साथ बढ़ा मच्छरों का कहर

लंबे समय से जगह-जगह जमा बाढ़ के पानी ने अब मच्छरों की समस्या भी बढ़ा दी है। शाम होते ही गांवों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। ग्रामीणों को बच्चों और बुजुर्गों की चिंता सताने लगी है।

मनोज कुमार यादव बने मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष

संगठन ने सौंपी नई जिम्मेदारी, पदाधिकारियों ने जताया विश्वास

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

कासगंज विधानसभा क्षेत्र निवासी मनोज कुमार यादव को मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड में जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष नबीद पठान ने उन्हें मनोनयन पत्र सौंपते हुए संगठन को मजबूत करने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी रोहित यादव सहित समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह यादव मौजूद रहे। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार यादव ने संगठन की ओर से दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाने की बात कही। यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष नबीद पठान ने कहा कि संगठन में सक्रिय एवं समर्पित कार्यकताओं को जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ जनता के बीच पहुंचकर संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं।

सपा जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह यादव ने कहा कि युवाओं की भागीदारी संगठन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। मनोज कुमार यादव को नई जिम्मेदारी मिलने से संगठन को क्षेत्र में और मजबूती मिलेगी। उन्होंने नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष से पार्टी की नीतियों और संगठन के कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने तथा कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाकर काम करने की अपेक्षा जताई।

जब अचानक से बच्चों की क्लास में पहुंच गए जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने प्राथमिक व जूनियर हाईस्कूल का किया औचक निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

परिषदीय विद्यालयों में पठन-पाठन का स्तर सुधारने और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन सख्त नजर आ रहा है।

इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने प्राथमिक विद्यालय भिटौना एवं जूनियर हाईस्कूल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं में जाकर शैक्षणिक माहौल, स्वच्छता और मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता को बारीकी से परखा। अचानक पहुंचे डीएम को देखकर विद्यालय स्टाफ में हड़कंप मच गया, हालांकि निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक उपस्थित मिले और साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त पाई गई।

क्लास में पहुंचे डीएम, बच्चों से पूछा- मीनू के हिसाब से मिलता है खाना या नहीं?

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सीधे कक्षाओं में पहुंचे और बच्चों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई के साथ-साथ मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। डीएम ने पूछा कि क्या विद्यालय में प्रतिदिन निर्धारित मीनू के अनुसार खाना मिलता है? जिस पर बच्चों ने खुलकर अपनी बात रखी। इसके बाद उन्होंने एमडीएम रसोई का रुख किया, जहां भोजन शासन द्वारा तय मानकों के अनुसार ही बनता हुआ पाया गया।

हर बच्चे की प्रगति पर दें व्यक्तिगत ध्यान, पठन-पाठन में न हो रत्ती भर लापरवाही

डीएम ने शिक्षकों से कहा कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अध्यापकों को कड़े निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से बच्चों की उपस्थिति और उनकी शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा करें। साथ ही शिक्षण कार्य को रुचिकर और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं, ताकि प्रत्येक बच्चे का सर्वांगीण विकास हो सके।

अनुशासन और स्वच्छता को लेकर जारी किए कड़े निर्देश

जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि परिसर में स्वच्छता, अनुशासन और शैक्षणिक माहौल को आगे भी इसी तरह बेहतर बनाए रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राथमिक शिक्षा ही बच्चों के भविष्य की नींव होती है, इसलिए शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करें। नियमित निरीक्षण का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

ऑनलाइन परीक्षा से परखा गया पुलिसकर्मियों का ज्ञान

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

जनपद में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक के निदेर्शों के क्रम में सोमवार को पुलिस अधीक्षक कासगंज ओ.पी. सिंह ने पुलिस लाइन स्थित ऑडिटोरियम हॉल में 'मिशन शक्ति' और 'एंटी रोमियो' टीमों की समीक्षा गोष्ठी ली। अपर पुलिस अधीक्षक व नोडल अधिकारी सुशील कुमार की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया।

फेक केस और साइबर हिंसा पर जनचौपाल लगाकर जागरूक करेंगी टीमें

गोष्ठी के दौरान एसपी ने एंटी रोमियो टीमों को क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस टीमें ग्रामीण व शहरी इलाकों में जनचौपाल लगाकर बालिकाओं व महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें। विशेषकर युवा बालिकाओं के साथ बढ़ रहे साइबर अपराधों और उनके दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की जाए। इसके साथ ही पीड़ित महिलाओं की काउंसलिंग, रेफरल सुविधा और पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों की जानकारी देने पर बल दिया गया। एसपी ने स्पष्ट किया कि गांवों व मोहल्लों में लोगों को महिला अपराध से जुड़े फर्जी मुकदमे दर्ज कराने से होने वाले नुकसान के प्रति समझाया जाए, ताकि कानूनों का दुरुपयोग रोका जा सके।

75 प्रश्नों की ऑनलाइन परीक्षा में कसौटी पर कसी गई कर्मियों की दक्षता

अभियान को धरातल पर अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से समीक्षा गोष्ठी के दौरान ही मिशन शक्ति केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों की ऑनलाइन परीक्षा भी कराई गई। इस परीक्षा में कुल 75 प्रश्न पूछे गए, जिनके माध्यम से कर्मियों के कानूनी ज्ञान व सरकारी योजनाओं की जानकारी को परखा गया। पारदर्शिता और सजगता बनाए रखने के लिए परिक्षेत्रीय कार्यालय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए परीक्षा की लाइव मॉनिटरिंग की गई। टीमों को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों (112, 1076, 1090, 1930, 1098 आदि) तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला व बाल सेवा योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया।

मारपीट में युवक गंभीर घायल

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शहर के थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सिटी मोहल्ला स्थित एक डीजे शॉप पर काम करने वाले युवक के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में हुए हादसे/मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल मामों से अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के संबंध में पीड़ित के भाई ने कोतवाली में तहरीर देकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

रात ढाई बजे अनलोडिंग के दौरान हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवपुरी कॉलोनी (सहावर गेट) निवासी आशीष (21) पुत्र भगवान सहाय पिछले करीब पांच महीने से सिटी मोहल्ला स्थित प्रज्जवल दुबे की डीजे शॉप पर काम करता है। बीते शनिवार 5 सितंबर की रात आशीष अपने पांच साथियों के साथ मारहरा कस्बे में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा में डीजे बजाने गया था।

कार्यक्रम संपन्न होने के बाद सभी साथी डीजे शॉप पर वापस लौटे। दुकान मालिक प्रज्जवल दुबे ने रात में ही डीजे का सामान उतारने को कहा। रविवार तड़के करीब 2:30 बजे सामान अनलोड करते समय अचानक डीजे मशीन फिसलकर आशीष के पेट पर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से चोटिल हो गया।

मजदूरी मांगने पर मारपीट का आरोप

घटना के बाद प्रज्जवल दुबे घायल आशीष को पहले नजदीकी डॉ. नवीन गौड़ के क्लिनिक ले गया, जहां से उसे जिला अस्पताल मामों भेजा गया। डीजे संचालक ने तड़के ही आशीष के परिजनों को फोन पर घटना की जानकारी दी।

अस्पताल पहुंचे आशीष के बड़े भाई सचिन पाण्डेय के मुताबिक, घायल आशीष ने उसे बताया कि जब उसने प्रज्जवल दुबे से अपनी मजदूरी के रुपये मांगे, तो इसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि प्रज्जवल दुबे ने अपने साथियों सनी, धीरज, कृष और उज्जवल के साथ मिलकर आशीष के साथ गाली-गलौज की और मारपीट की, जिससे उसके पेट में अंदरूनी गंभीर चोटें आईं।

पुलिस कर रही मामले की जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने घायल आशीष को बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ रेफर कर दिया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर घटना के सत्यता की जांच की जा रही है और सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है।

हजारा नहर में नग्न अवस्था में मिला पुरुष का शव

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

- 5 फीट 4 इंच लंबाई, 40 के पार उम्र... पहचान में उलझी पुलिस की गश्त

हजारा नहर में रविवार को एक अज्ञात पुरुष का नग्न अवस्था में शव तैरता मिलने से सनसनी फैल गई। नहर में शव की खबर आग की तरह फैली और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। सूचना मिलते ही कासगंज थाना पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकालकर कब्जे में ले लिया।

प्राथमिक जांच के मुताबिक मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष और कद करीब 5 फीट 4 इंच है। महिला के शरीर पर कोई वस्त्र नहीं था। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शिनाख्त के काफी प्रयास किए, लेकिन देर शाम तक पहचान नहीं हो सकी। स्थानीय निवासियों का अनुमान है कि शव ऊपरी इलाके से बहकर आया हो सकता है।

पुरुष की हत्या कर शव नहर में फेंका गया या घटना हादसा है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही संभव हो सकेगा।

प्रशासन ने शव को मोर्चरी भेजकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आसपास के जिलों और थानों में दर्ज गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

अलीगढ़: 35 घंटे बाद मिला काली नदी में कूंदी महिला का शव, रेस्क्यू टीम ने किया बरामद, पोस्टमार्टम को भेजा

अलीगढ़। अकराबाद की काली नदी में छलांग लगाने वाली गांव सिकंदरपुर निवासी 50 वर्षीय महिला सुघड़वती देवी का शव सोमवार की दोपहर दो बजे रेस्क्यू टीम ने नदी से ही बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांव दही बेचा सिकंदरपुर निवासी चंद्रभान सिंह ने बताया था कि शनिवार की शाम उनकी पत्नी सुघड़वती (50) ने खुखीर-पूड़ी बनाई थी। भोजन कर सभी परिजन रात में सो गए। उनकी पत्नी प्रतिदिन सुबह चार बजे जगने के साथ आवाज लगाकर सभी परिजन को जगाती थी लेकिन रविवार की सुबह ऐसा नहीं हुआ। परिवार के अन्य लोग जब जगे तो उनकी पत्नी घर पर नहीं थी। आसपास तलाश करने पर भी पता नहीं चला।

बाद में घर से करीब 100 मीटर दूर काली नदी के पुल पर सुघड़वती की चप्पल और घर की चाबी का गुच्छा पड़ा मिला।

काली नदी में कूदने की आशंका पर पुलिस को सूचना दी। रेस्क्यू टीम ने 35 घंटे बाद महिला का शव काली नदी से बरामद कर लिया।

अधिवक्ता की तबीयत बिगड़ी, सांसद की शैक्षिक योग्यता प्रकरण में सुनवाई टली, अगली 22

अलीगढ़। अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम की शैक्षिक योग्यता से जुड़े बहुचर्चित मामले में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई टल गई। वादी के अधिवक्ता की तबीयत अचानक खराब हो जाने के कारण अदालत में कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख मुकर्रर की गई है।

यह पूरा प्रकरण वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि नामांकन दाखिल करते समय सांसद सतीश गौतम द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यता से संबंधित अधूरी जानकारी दी गई थी और उससे जुड़ा कोई भी प्रमाण पत्र या दस्तावेज दाखिल नहीं किया गया था।

इसी त्रुटि और अनियमितता को आधार बनाते हुए अलीगढ़ लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी तथा भ्रष्टाचार विरोधी सेना व राष्ट्रीय सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित केशव देव गौतम ने अदालत में याचिका दायर की थी।

पुलिस के कब्जे से वारंटी को छुड़ा ले गए हमलावर, सात पर एफआईआर

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

गांव इखोना के पास घेराबंदी कर पुलिस ने मारपीट और एससी/एसटी एक्ट में वांछित एक वारंटी को गिरफ्तार किया, लेकिन उसे थाने ले जाते समय बाइक सवार हमलावरों ने पुलिस टीम को घेरकर हमला कर दिया और जबरन वारंटी को छुड़ा ले गए। घटना में ढोलना थाने के पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। उपनिरीक्षक संजय उपाध्याय की तहरीर पर सात नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार देर शाम उपनिरीक्षक संजय उपाध्याय कांस्टेबल साजिद और यतेंद्र के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि गांव इखोना निवासी रामनाथ बाइक से छिछोरा की ओर आ रहा है। सूचना पर पुलिस ने इखोना के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर रामनाथ ने भागने का प्रयास किया, लेकिन बाइक दीवार से टकराकर गिर गई। पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और थाने ले जाने लगे।

पुलिस के अनुसार, छिछोरा और नगला देवी के बीच बंबे के पास करीब 5:40 बजे चार बाइकों पर सवार छह लोगों ने पुलिस की गाड़ी रोक ली। आरोप है कि उन्होंने पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और पुलिस की गाड़ी से रामनाथ को जबरन खींचकर छुड़ा ले गए। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दोबारा पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन हमलावर धक्का देकर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

मामले में पुलिस ने सर्वेश कुमार, अखिलेश कुमार, टीटू यादव उर्फ अनिल, धर्मेंद्र कुमार, कैलाश, बृजेश और वारंटी रामनाथ, सभी निवासी इखोना, के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

सीओ आंचल चौहान ने बताया कि बाइक सवार लोग पुलिस टीम से वारंटी को छुड़ाकर ले गए थे। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

22 अगस्त को आया पहला मरीज, 16 दिन में मिले स्वाइन फ्लू के 40 मरीज, जांच की सुविधा अब तक नहीं

अलीगढ़। अलीगढ़ में पिछले 16 दिन में 40 स्वाइन फ्लू के मरीज मिले हैं, लेकिन अब तक जांच की सुविधा शुरू नहीं हो सकी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय में आरटी-पीसीआर मशीन की तकनीकी खामियों को दिल्ली के इंजीनियर दूर करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि 10 सितंबर से यहां स्वाइन फ्लू की जांच शुरू हो जाएगी।

जिले में 22 अगस्त को स्वाइन फ्लू का पहला मरीज आया था। इसके बाद लगातार स्वाइन फ्लू के नए मरीज आ रहे हैं। अब तक 40 मरीज हो गए हैं। जांच की सुविधा संयुक्त चिकित्सालय में शुरू नहीं हो सकी है। चिकित्सालय में स्थापित आरटी-पीसीआर लैब को तकनीकी खामी दूर होने के बाद जल्द क्रियाशील करने की तैयारी है।

मशीन में आई तकनीकी समस्या की विशेषज्ञों से जांच कराई जा रही है। सीएमओ डॉ. रामनाथ सिंह ने बताया कि जिले में स्वाइन फ्लू के संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। स्वाइन फ्लू के मरीज सामने आ रहे हैं, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं है। संक्रमित मरीजों का उपचार किया जा रहा है और स्वस्थ भी हो रहे हैं। वर्तमान में जिले में कोई गंभीर संक्रमित मरीज भर्ती नहीं है। सीएमओ ने कहा कि संयुक्त चिकित्सालय में संक्रमित मरीजों को भर्ती कर उपचार देने के लिए आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है।

पर्याप्त मात्रा में दवाएं और सुरक्षा उपकरण

इन्फ्लूएंजा ए और बी के मरीजों की जांच व उपचार के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। कैप्सूल टेमीफ्लू के साथ पीपीई किट, वीटीएम, एन-95 मास्क, सर्जिकल मास्क, ग्लव्स और अन्य आवश्यक औषधियां और उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

आयुर्वेदिक उपाय स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि संक्रमण के दौरान संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक हो सकता है। आयुर्वेद में गुनगुना पानी, हल्दी युक्त दूध तथा अदरक-तुलसी की हल्की चाय जैसे पारंपरिक उपाय सामान्य स्वास्थ्य के लिए अपनाए जाते हैं। हालांकि इन उपायों को स्वाइन फ्लू का उपचार नहीं माना जाना चाहिए। फ्लू जैसे लक्षण होने पर चिकित्सकीय जांच और चिकित्सक द्वारा निर्धारित उपचार लेना जरूरी है।

कोविड के बाद रख दी गई थी आरटी-पीसीआर मशीन

चिकित्सालय में कोविड में मरीजों की जांच आरटी-पीसीआर मशीन से हो रही थी, जब कोविड नियंत्रण हो गया, तब मशीन को पैक रख दिया गया था।

दलीप ट्रॉफी फाइनल

तिहरा शतक नहीं लगा सके ईशान, ईस्ट जोन ने बनाया विशाल स्कोर

❍ एजेंसी, चेन्नई।

दलीप ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन भी ईस्ट जोन के बल्लेबाजों का दम दिखा। कप्तान ईशान किशन भले ही तिहरा शतक नहीं लगा सके, लेकिन उनकी शानदार पारी के बदौलत ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ईस्ट जोन की पहली पारी समाप्त होने के साथ ही दूसरे दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

दूसरा दिन भी ईस्ट जोन के नाम रहा

ईस्ट जोन के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान ईशान किशन ने बनाए जो 334 गेंदों पर 30 चौकों और सात छक्के की मदद से 270 रन बनाकर आउट हुए। उनके अलावा कुमार कुशाग्र ने 132 गेंदों पर आठ चौकों और पांच छक्कों के सहारे 101 रन की पारी खेली। शुरूआती दो दिन ईस्ट जोन के बल्लेबाजों का दम देखने मिला। दूसरे दिन ईशान रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गए थे, लेकिन बाद में वह फिर बल्लेबाजी के लिए उतरे। हालांकि, साउथ जोन की टीम दिन का खेल समाप्त होने तक ईस्ट जोन की पारी खत्म करने में सफल रही।

ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जिन्हें त्रिपुराणा विजय ने अपना शिकार बनाया। ईस्ट जोन के लिए अनुकूल रॉय ने 45, मोहम्मद कौनेन कुरैशी ने 40 और मोहम्मद शमी ने 28 रन बनाए। साउथ जोन की ओर से त्रिपुराणा विजय ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए, जबकि चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल को दो-दो विकेट मिले। शेख रशीद एक विकेट लेने में सफल रहे। अब तीसरे दिन साउथ जोन को बल्लेबाजी में दम दिखाना होगा, जबकि ईस्ट जोन की टीम साउथ जोन को जल्द समेटना चाहेगी।

रिटायर्ड हर्ट होकर ईशान ने की वापसी

ईस्ट जोन ने दूसरे दिन चार विकेट पर 385 रन से शुरूआत की। ईशान ने कुमार कुशाग्र के साथ पांचवें विकेट के लिए 230 रन की साझेदारी की। कुमार कुशाग्र हालांकि, शतक लगाकर आउट हुए। टीम ने 471 के स्कोर पर अपना पांचवां विकेट गंवाया, जिसके बाद ईशान ने अनुकूल रॉय के साथ 140 रन जुटाकर टीम को 600 के पार पहुंचा दिया। ईशान 250 रन की पारी खेलकर रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटे। उन्होंने 301 गेंदों में 27 चौके और सात छक्के लगाए थे। इसके बाद मोहम्मद शमी (28) ने कुरैशी (40) के साथ 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 650 के पार पहुंचाया। टीम को 680 के स्कोर पर सातवां झटका लगा, जिसके बाद कप्तान ईशान एक बार फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे। टीम ने कप्तान के रूप में अपना नौवां विकेट गंवाया। त्रिपुरणा विजय ने पारी के 163वें ओवर में ईशान किशन के साथ मुकेश कुमार (0) का विकेट भी चटकाया।

दोहरा शतक लगाकर इतिहास के पन्नों में दर्ज कराया नाम

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कप्तानी करते हुए ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा दिया। 270 रन की तूफानी पारी के साथ ईशान अब दलीप ट्रॉफी फाइनल में यह कारनामा करने वाले चुनिंदा बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। रविवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक शतक लगाकर नाबाद लौटे ईशान ने दूसरे दिन भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया। इसके साथ ही ईशान किशन ने 39 साल पुराना एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

1987-88 में वेस्ट जोन की कप्तानी करते हुए अंशुमान गायकवाड़ ने फाइनल में 216 रन बनाए थे। अब ईस्ट जोन के कप्तान ईशान ने 250 रन की पारी (रिटायर्ड हर्ट) खेलकर बतौर कप्तान दोहरा शतक के मामले में गायकवाड़ की बराबरी तो की ही, पर बतौर कप्तान दलीप ट्रॉफी के फाइनल में व्यक्तिगत स्कोर के मामले में उनसे आगे निकलकर रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

अजहर के निशाने पर आए आकिब जावेद

पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर घेरा, बाबर आजम के समर्थन में उतरे

❍ एजेंसी, इस्लामाबाद।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजहर अली ने हाई परफॉर्मेंस निदेशक आकिब जावेद की तीखी आलोचना करते हुए टीम के खराब प्रदर्शन के लिए उन्हें सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान की टीम हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में हार का सामना करने के बाद 0-2 से पीछे चल रही है। एजबेस्टन में नौ सितंबर से शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट से पहले अजहर को आशंका है कि पाकिस्तान इस मुकाबले को भी रोमांचक बनाने में संघर्ष कर सकता है।

पाकिस्तान क्रिकेट में आकिब जावेद का प्रभाव

आकिब जावेद कई बदलावों के बावजूद अपना प्रभाव बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। अजहर का मानना है कि जावेद को टीम के प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और यदि वे स्थिति को सुधार नहीं पा रहे हैं, तो उन्हें अपने पद से हट जाना चाहिए। अजहर ने कहा, हमारे पास पिछले तीन वर्षों से ऐसे ही बुरे फैसले आ रहे हैं। उन्हें प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उनके फैसले पर सवाल उठना चाहिए। मैंने इस हफ्ते उनका इंटरव्यू

सुना और वह सरफराज और बाबर पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने ही इन लोगों को कुछ महीने पहले ही तो नियुक्त किया था।

उन्होंने कहा, किसी को परखने के लिए मेरे लिए इतना ही काफी था। उनका हर फैसला उल्टा पड़ता है और फिर वह कहते हैं कि यह मैं नहीं हूं। पहले खुद को देखिए और यदि आप इस टीम को नियंत्रित नहीं कर सकते, यदि आप पाकिस्तान क्रिकेट में कोई बदलाव नहीं ला सकते, तो हट जाइए।

पाकिस्तान की समस्याएं मौजूदा टेस्ट सीरीज से काफी आगे तक जा चुकी हैं। टीम ने नेतृत्व और प्रबंधन में लगातार बदलाव देखे हैं, जबकि उनका प्रदर्शन बेहद अनिश्चित हो गया है। अजहर का मानना है कि पाकिस्तान ने वह अनिश्चितता भी खो दी है जिसने कभी उन्हें एक खतरनाक टीम बनाया था। उन्होंने कहा, लोग कहते थे कि आप पाकिस्तान से किसी भी चीज की उम्मीद कर सकते हैं। कोई भी टीम किसी भी दिन मैदान पर उतर सकती है और या तो 46 रन पर ऑल आउट हो सकती है या कहीं से भी मैच जीत सकती है। लेकिन अब हम वैसी असंगति भी नहीं करते हैं। हम पूरी तरह से सुसंगत हो गए हैं, वह भी सबसे नकारात्मक तरीके से।

अजहर अली ने दीर्घकालिक योजना पर दिया जोर

अजहर के अनुसार, इसका समाधान लगातार अल्पकालिक बदलाव करने के बजाय एक स्पष्ट दीर्घकालिक योजना तैयार करने में है। उनका मानना है कि पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी को विकसित करना इस प्रक्रिया का एक मुख्य हिस्सा होना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमें यह पूछना होगा कि तेज गेंदबाज आगे क्यों नहीं आ रहे हैं। बांग्लादेश को देखिए। वे घर पर केवल स्पिन से संतुष्ट नहीं थे। वे एक क्रिकेट राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ना चाहते थे और उन्होंने तेज गेंदबाजों का एक ऐसा समूह तैयार किया जिन्होंने अभी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जीता है। आप सिर्फ यह उम्मीद नहीं कर सकते कि यह खुद हो जाएगा और पाकिस्तान में इन दिनों ऐसा ही रवैया महसूस होता है।

मनोरंजन

'अब 25 साल का नहीं हूं': कैसी फिल्में करना चाहते हैं सैफ अली खान?

अभिनेता सैफ अली खान सैफ अली खान अब अपने करियर में एक अलग तरह के किरदारों की ओर बढ़ रहे हैं। अमर उजाला से हुई खास बातचीत में उन्होंने इस बारे में बात की। फिल्म ह्यहैवानह्ण में वह नेत्रहीन शख्स के किरदार में हैं, जो हालात से लड़ता है, बेबस नहीं है। फिल्म में सस्पेंस, क्राइम और एक्शन है, जबकि अक्षय कुमार उनके सामने नेगेटिव रोल में हैं।

इस फिल्म के लिए हां कहने की सबसे बड़ी वजह क्या थी?

प्रियदर्शन का मुझे इस तरह की स्क्रिप्ट ऑफर करना ही मेरे लिए काफी बड़ी बात थी। पढ़ने के बाद मुझे लगा कि मुझे भी थोड़ा शिफ्ट करना चाहिए। मैं कैसी फिल्में करूं? अब मैं चाहता हूं कि अजय देवगन जिस तरह की 'दृश्यम' टाइप फिल्में करते हैं, वैसी फिल्में करूं। खासकर थोड़ा मैच्योर होने के बाद मुझे लगा कि यह जॉनर मुझे सूट करेगा। अब मैं 25 साल का नहीं हूं।

'हैवान' में सस्पेंस और थ्रिल है। हीरो अंधा है, लेकिन किसी को बचाने के लिए अपना पूरा दिमाग लगा रहा है। वह हत्या के मामले में फंसता है और उससे निकलने की कोशिश करता है। फिर एक्शन भी है। मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह सिर्फ बेचारा नहीं है। ऐसे किरदार मनोवैज्ञानिक तौर पर बहुत फैसिनेटिंग होते हैं और मुझे लगता है कि लोग उनसे प्रभावित होते हैं।

यानी इस बार 'बेचारा' दिखना आपके लिए भी नया अनुभव था?

हां, इतना सहानुभूति वाला रोल है कि कभी-कभी दिल से आह निकलती है कि क्या-क्या हो रहा है इसके साथ। ऐसे रोल मुझे ज्यादातर मिलते नहीं हैं। मुझे थोड़े बिगड़े हुए लड़कों के रोल मिलते थे। यह रोल मुझे बहुत आसान लगा और बहुत मजा आया। ऐसे कैरेक्टर में आप बस खड़े हो, थोड़े थके हुए लगो और लोगों के दिल से निकले- 'बेचारा, इसके साथ क्या-क्या हो रहा है।' तो ऐसी और फिल्में होनी चाहिए और ऐसे कैरेक्टर्स होने चाहिए।

हालांकि उसका बेचारापन उसकी कमजोरी नहीं है। वह टैलेंटेड है। उसकी मां ने उसे संगीत और वायलिन सिखाया है, इसलिए वह म्यूजिक टीचर है। उसके पिता ने उसे मार्शल आर्ट सिखाया है। उसमें एक खास क्षमता भी है, वह इतनी अच्छी तरह सुन सकता है कि हवा में उछली गेंद भी पकड़ सकता है। इसलिए इस किरदार को निभाना मेरे लिए वाकई मजेदार था।

अक्षय का इस फिल्म से जुड़ने का क्या किस्सा है?

अक्षय के साथ हमने बहुत अच्छी फिल्में की हैं। हमारी रिलेशनशिप बड़े-छोटे नटखट भाई की तरह रही है। 'टशन' हमने की थी, वह चली नहीं, लेकिन एक बहुत अच्छी कोशिश थी। उसके बाद हमारे पास साथ काम करने के अच्छे ऑफर नहीं आए। लेकिन मैं खुश हूं कि 'हैवान' सिर्फ 'अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी' वाली फिल्म नहीं है। वह जमाना चला गया। इस बार रिश्ता बहुत अलग है। मैं हीरो हूं और अक्षय ने एक टफ, थोड़ा नेगेटिव रोल किया है।

दिलचस्प बात यह है कि जब प्रियदर्शन जी मेरे साथ फिल्म पर काम कर रहे थे, दूसरे रोल के लिए कुछ एक्टर्स से बात चल रही थी। उसी दौरान वह अक्षय के साथ शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने अक्षय को बताया कि दूसरा रोल अभी तक कन्फर्म नहीं हुआ है। एक शॉट देने के बाद अक्षय ने खुद कहा, 'मैं क्यों नहीं कर लूं?' प्रियदर्शन जी ने पूछा, 'सच में आप करना चाहोगे? थोड़ा नेगेटिव है।' अक्षय ने कहा, 'नहीं-नहीं, मुझे मजा आएगा।' जब प्रियदर्शन जी ने मुझे फोन करके यह बताया तो पहले मुझे यकीन नहीं हुआ। मेरे लिए यह तोहफे जैसा है कि अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार ने यह फिल्म हां की, यह जानते हुए कि पिक्चर का हीरो मैं हूं।

कांच टूटने वाला सीन कितना डरावना था?

वह दिन हमेशा याद रहेगा। एक सीन में पुलिस वाला मुझे पकड़कर कांच के सामने धक्का देने वाला था। हमें कहा गया था कि ज्यादा जोर से नहीं मारना है। लेकिन जोश में वह थोड़ा ज्यादा लग गया और पूरा कांच टूट गया। मैं कांच के सामने गिर गया। बच गया, कैसे पता नहीं। अगर लगता तो बुरी तरह घायल हो सकता था।

उस वक्त तो ठीक लगा, क्योंकि शायद खून गरम था। लेकिन बाद में मुझे लगा कि मैंने बहुत जान लगा दी थी और दो दिन आराम करना पड़ा। वैसे मेरी हाइलाइट फाइट पुलिस स्टेशन में पुलिस वाले के साथ है। अक्षय के साथ भी फाइट है, लेकिन पुलिस स्टेशन वाला एक्शन मुझे ज्यादा पसंद आया।

उम्र बढ़ने के साथ ऐसे एक्शन को लेकर डर बढ़ता है?

एक्शन करना और एक उम्र के बाद एक्शन करना बहुत मेहनत वाला काम है। बॉलीवुड खासकर बहुत मेहनत करवाता है, क्योंकि हम अपने खुद के स्टंट्स करते हैं और लोग उम्मीद करते हैं कि जैसे आप 25 साल के हैं। मैंने हमेशा एक्शन किया है। बचपन में इतना कन्विन्सिंग नहीं होता था, लेकिन धीरे-धीरे और कन्विन्सिंग हो गया और मुझे एक्शन पसंद है। हालांकि सबके लिए यह आसान नहीं है। काफी एक्टर्स हैं जिनके घुटने साथ नहीं दे रहे, किसी का कंधा साथ नहीं दे रहा।

ओटीटी ने भी आपको कई तरह के किरदार दिए। वहां क्या फर्क महसूस होता है?

सीरीज में ज्यादा वक्त मिलता है और एक्टर को खुद को एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। कैरेक्टर को इतने वक्त दे रहे हो और इतने टाइम के लिए उस लुक और कैरेक्टर में जुड़े रहते हो। जैसे 'सेक्रेड गेम्स' में इतनी शूटिंग की कि एक सीजन के बाद मुझे लगा कि उस रोल में मेरी एक्टिंग बहुत अच्छी हो गई थी, क्योंकि इतने दिन से वो रोल प्ले कर रहे थे। किरदार बस जाता है। मैं नहीं मानता कि छोटी स्क्रीन बड़ी स्क्रीन से कुछ कम है। हर फ्रेम कुछ एक्सप्रेस करने का मौका है। कुछ स्टार्स बोलते हैं कि ओटीटी या फिल्मों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए, लेकिन मुझे लगता है कि अगर दोनों कर सकते हैं तो ग्रेट।

परिणीति चोपड़ा: दो साल बाद वेब सीरीज 'शक' से वापसी करेंगी अभिनेत्री

बीते काफी समय से खबरें चल रही थीं कि परिणीती चोपड़ा जल्द किसी सीरीज में नजर आने वाली हैं। अब मेकर्स ने इससे पर्दे उठा दिया है। सोमवार को मेकर्स ने वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' की घोषणा कर दी है। यह सीरीज को इसी सितंबर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। जानें क्या होगी इसकी कहानी?

'शकः ट्रस्ट नो वन' की कास्ट में कौन?

सीरीज में परिणीति चोपड़ा मुख्य किरदार में नजर आएंगी। उनके अलावा इसमें आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान, टीवी एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट, ताहिर राज भसीन, सुमित व्यास और हरलीन सेठी जैसे कई कलाकार नजर आएंगे।

कौन हैं निर्माता- निर्देशक?

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' का निर्देशन रेंसिल डी'सिल्वा ने किया है। रेंसिल इससे पहले 'उंगली', 'कुर्बान', 'डायल हंड्रेड' और 'बैड कॉप' जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। वहीं सीरीज का निर्माण सिद्धार्थ पी मल्होत्रा कर रहे हैं। इस समय वह मशहूर अदाकारा मीना कुमारी की बायोपिक को लेकर चर्चा में हैं। बता दें कि परिणीति अभिनीत इस सीरीज का नाम पहले 'तलाशः ए मदर्स सर्च' था। मगर बाद में इसे बदल दिया गया।

कब रिलीज होगी सीरीज?

वेबसीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर 2026 को रिलीज होने जा रही है। फिल्म की कहानी थ्रिलर होगी। खबरों के मुताबिक यह एक मां की अपने गुमशुदा बच्चे की तलाश पर आधारित होगी। वह अपने बच्चे को खोजने में अपनी जिंदगी के नौ साल बिताती है। मगर जैसे-जैसे सच्चाई के करीब पहुंचती है, अपने करीबी लोगों से उसका भरोसा उठता जाता है।

परिणीति चोपड़ा का वर्कफ्रंट

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आखिरी बार बड़े पर्दे पर फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में दिखाई दी थीं। इसके बाद वह अपने निजी जीवन में व्यस्त हो गईं। मगर आने वाले समय में वह कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहेंगी। वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' के बाद उनके 'मालामाल वीकली 2' में नजर आने की खबरें भी मिल रही हैं।

असुर 3: संदीपा धर ने शुरू की वेब सीरीज की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। जानें क्या है खबर?

क्या था खास संदीपा की फोटोज में?: एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीपा द्वारा शेयर की गईं पहली तस्वीर में वह बॉलकनी में खड़ी हुईं हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की बॉडी कॉन ड्रेस पहन रखी है। दूसरी फोटो में वह सीरीज में अपने डायलॉग पढ़ती नजर आ रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह सैलून में अपना मेकओवर कराती नजर आ रही हैं। एक अन्य फोटो में उन्होंने असुर 3 की जानकारी दी है।

इस फोटो में जो क्लैप बोर्ड दिखाया गया है उसमें 'असुर 3' की शूटिंग के बारे में बताया गया।

क्या होगा संदीपा का किरदार? : संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, ''यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरूआत' और 'तूफान से पहले की शांति।'इससे यह अंदाता लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है।'' हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

'असुर सीजन 3' की कास्ट: ओटीटी की पॉपुलर सीरीज 'असुर' के तीसरा भाग की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सीरीज की कास्ट में अरशद वारसी और बरुण सोबती मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं सीरीज में श्वेता बसु प्रसाद और अहसास चन्ना भी अहम किरदारों में नजर आ सकती है।

नोरा फतेही: कानूनी मुश्किल में फंसीं नोरा; विमानन कंपनी ने ठोंका मानहानि मुकदमा

एक एविएशन कंपनी ने गांधीनगर कोर्ट में बॉलीवुड अदाकारा नोरा फतेही के खिलाफ तीन करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। कंपनी का आरोप है कि सोशल मीडिया पर उनकी अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी के चलते कंपनी की साख को भारी नुकसान पहुंचा है। कंपनी के मुताबिक नोरा ने पोस्ट में कंपनी के चार्टर्ड विमान को 'लेगो एयरप्लेन' कहा था, जिससे छवि को नुकसान हुआ है।

क्या है मामला?

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सीनियर सिविल जज आर. अग्रवाल की अदालत इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को करेगी। ड्यून्स एविएशन की ओर से दायर मुकदमे के अनुसार, नोरा फतेही ने पिछले साल दिसंबर में मुंबई-जयपुर उड़ान के दौरान सेसना साइटेशन CJ2 विमान के अंदर वीडियो रिकॉर्ड किए। इन वीडियो में उन्होंने विमान को छोटा', 'खिलौना' और 'लेगो हवाई जहाज' बताया। वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया।

कंपनी ने अभिनेत्री पर क्या आरोप लगाए?

कंपनी का आरोप है कि सोशल मीडिया पर 4.6 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स वाली अभिनेत्री के 'लापरवाही भरे' बयानों की वजह से बुकिंग कैंसिल हुईं और कंपनी के कमर्शियल कामकाज को भारी नुकसान पहुंचा। इस साल अप्रैल में दायर किए गए मुकदमे में कहा गया है कि नोरा फतेही के बयान गैर-जिम्मेदाराना और बिना किसी तकनीकी जानकारी, पुष्टि या तथ्यात्मक आधार के दिए गए थे।

एविएशन कंपनी ने कहा कि नोरा के बड़ी संख्या में फॉलोअर्स होने के कारण, उनकी टिप्पणी से कंपनी की साख को नुकसान पहुंचा है। गुडविल घटी है और व्यावसायिक रूप से बुरा असर पड़ा है।

कंपनी की बुकिंग में 15-20 प्रतिशत की गिरावट आई है और कैंसिलेशन में बढ़ोतरी हुई है।